RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
वर्ष- 13, अंक - 245 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 22 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

कोरोना अलर्टः सीआईएमएस और जिला अस्पताल सहित 30 प्राइवेट अस्पतालों को पत्र जारी, कहा-सभी जरूरी तैयारी करें

बिलासपुर। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अब कोरोना संक्रमण फिर से तेजी से बढ़ने लगा है। स्थिति यह है कि अब तक एक्टिव मरीजों की संख्या 53 हो गई है। जबकि, मंगलवार को एक ही दिन में 8 नए संक्रमित मिले हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी सक्रिय हो गया है। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के बाद प्रदेश में पहली बार सीएमएचओ डॉ. प्रमोद महाजन ने सिम्स के साथ ही जिला हॉस्पिटल और कोविड मरीजों के लिए इलाज के लिए चयनित शहर के 30 निजी अस्पतालों को तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि जून के पहले सप्ताह से कोरोना मरीज मिलने शुरू हुए हैं। शुरूआत में रोज दो से तीन मरीज मिल रहे थे, लेकिन यह आंकड़ा अब बढ़ने लगा है। बीते सप्ताह रोज तीन से चार मरीज मिल रहे थे, जो वर्तमान में सात से आठ हो गया है। स्पष्ट है कि कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। यही वजह है कि स्वास्थ्य विभाग फिर से अलर्ट मोड पर आ गया है।

CMHO ने कोरोना के उपचार के लिए चिन्हित निजी अस्पतालों के साथ ही CIMS और जिला अस्पताल प्रबंधन को कोविड वार्ड बनाने, के साथ ही जांच सेंटर, आइसोलेशन वार्ड, ऑक्सीजन और दवाइयों की उपलब्धता के साथ-साथ अन्य सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्रवाई से अवगत कराने के लिए भी कहा है।

सियासी हलचलः शिवसेना ने छोड़ी सरकार बचने की उम्मीद, आज इस्तीफा दे सकते हैं उद्धव ठाकरे

एकनाथ शिंदे निकले खिलाड़ी और फंस गई अघाड़ी की गाड़ी?

मुंबई (एजेंसी)। एकनाथ शिंदे निकले खिलाड़ी और फंस गई अघाड़ी की गाड़ी? महाराष्ट्र के मौजूदा सियासी संकट को देखते हुए यही कहा जा सकता है। कहा जा रहा है कि एकनाथ शिंदे के पास करीब 40 विधायक हैं और शिवसेना उन्हें मना पाने में फेल हो गई है। ऐसे में पार्टी के पास कोई विकल्प नहीं बचा है और आज उद्धव ठाकरे सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने दोपहर एक बजे कैबिनेट की मीटिंग बुलाई है और उसके बाद इस्तीफा दे सकते हैं। दरअसल एकनाथ शिंदे के पास 40 से ज्यादा विधायक होने की खबर है और वह अब भाजपा के साथ जा सकते हैं। उन पर दो तिहाई से ज्यादा विधायक हैं, ऐसे में दल-बदल कानून भी लागू नहीं होगा। यही वजह है कि शिवसेना अब सरकार बचने की उम्मीद छोड़ती दिख रही है।

शिवसेना के सीनियर लीडर संजय राउत ने खुद ही ट्वीट कर इस बात के संकेत दिए हैं कि सरकार जा रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'राज्य के मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम विधानसभा भंग होने की ओर बढ़ रहे हैं।' उनके इस ट्वीट से संकेत मिलता है कि शिवसेना की सरकार राज्यपाल से विधाानसभा भंग करने की सिफारिश कर सकती है। हालांकि राज्यपाल अल्पमत की सरकार की सिफारिश को खारिज कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा एकनाथ शिंदे के गुट के विधायकों के साथ मिलकर सरकार गठन का दावा कर सकती है। इस तरह महाराष्ट्र की सत्ता शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के हाथ से छिनकर भाजपा के हाथ जा सकती है।

आदित्य ठाकरे ने भी दिए सरकार जाने के संकेत, भाजपा ऐक्टिव

संजय राउत ने कहा था, 'ज्यादा से ज्यादा क्या होगा, सत्ता चली जाएगी। लेकिन सत्ता तो आ भी जाती है।' सरकार गिरने का संकेत इस बात से भी लगाया जा रहा है कि आदित्य ठाकरे ने अपने ट्विटर बायो से मंत्री हटा लिया है। इस बीच भाजपा खेमा सक्रिय हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के घर पर भाजपा के विधायक पहुंच रहे हैं। चंद्रकांत पाटिल, आशीष सेलार जैसे सीनियर नेता भी उनके घर पहुंचे हैं।

40 विधायकों का दावा कर रहे हैं एकनाथ शिंदे

उधर मंगलवार की सुबह सूरत के ला मेरिडियन होटल पहुंचने वाले एकनाथ शिंदे अब गुवाहाटी पहुंच गए हैं, जहां भाजपा के एक विधायक ने उनका वेलकम किया। सूत्रों के हवाले से खबर है कि एकनाथ शिंदे भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं। मीडिया से गुवाहाटी में बात करते हुए एकनाथ शिंदे ने इसके संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि हमें 40 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है और जल्दी ही कुछ और हमारे साथ आ सकते हैं।

एकनाथ शिंदे के शक्ति प्रदर्शन से गिरे शिवसेना के हौसले

दरअसल आज सुबह ही एकनाथ शिंदें ने वीडियो और तस्वीरें जारी की थीं, जिसमें 36 विधायक उनके साथ दिख रहे थे। उसके बाद से ही शिवसेना के तेवर ढीले पड़ते दिखे। संजय राउत ने मीडिया से बात करते हुए तभी कह दिया था कि ज्यादा से ज्यादा क्या होगा, सरकार चली जाएगी। उनके इस बयान के बाद से ही कयास लगने लगे थे कि शिवसेना अब हथियार डालती दिख रही है।

रंजीत सिंह हत्याकांडः फरार आरोपी लोकेश पाण्डेय विशाखापट्टनम से गिरफ्तार

आठवां आरोपी निखिल अभी भी फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रंजीत सिंह हत्याकांड में फरार चल रहा भाजपा नेता लोकेश पाण्डेय गिरफ्तार हो गया है। लोकेश पाण्डेय का विशाखापट्नम से गिरफ्तार किया गया। घटना के बाद से ही लोकेश पाण्डेय फरार था। मंगलवार को पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया और इसी दिन रात को फरार लोकेश पाण्डेय भी गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं इस वारदात में शामिल 8 वां आरोपी निखिल एंजल अभी भी फरार है।बता दें शनिवार रात को साई नगर कैंप-1 में रंजीत सिहं नाम के युवक की हत्या कर दी गई थी। रंजीत सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने 8 लोगों को आरोपी बनाया था। मंगलवार को पुलिस ले इस मामले में 6 आरोपियों जोश अब्राहम, अमन भारती, बिसेलाल भारती, प्रीतम सिंह, भूपेन्द्र साहू व निखिल साहू को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया था।

आरोपी को लेकर पहुंची पुलिस

छावनी सीएसपी कौशलेन्द्र पटेल ने बताया कि आरोपी लोकेश पाण्डेय को पुलिस की टीम बुधवार सुबह लेकर पहुंची है। आरोपी से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया जाएगा। सीएसपी ने बताया कि आरोपी विशाखापट्नम के होटल में छिपा हुआ था लोकेशन मिलने के बाद हमारी टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

सभी आरोपियों का निकाला था जुलूस

बता दें मंगलवार को पुलिस ने पकड़े गए सभी आरोपियों का घटना स्थल से मुंह में कालिक पोत कर जुलूस निकाला था। सभी आरोपियों के साथ पहले क्राइम सीट रिक्रिएट किया गया और मौके पर सभी से उठक बैठक भी लगावाई गई। इसके बाद सभी आरोपियों को पूरे कैंप क्षेत्र में घुमाया गया। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से अपराध करना पाप है पुलिस हमारा बाप है के नारे भी लगवाए। इस हत्याकांड फरार चल रहा भाजपा नेता लोकेश पाण्डेय मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि लोकेश पाण्डेस की लोकेशन विशाखापट्नम की मिली थी और पुलिस की एक टीम विशाखापट्नम पहुंची। पुलिस ने आरोपी लोकेश पाण्डेय को गिरफ्तार कर रात को ही ट्रेन से रवाना हो गई थी, और आज सुबह उसे लेकर पहुंच गई है।

अफगानिस्तान में भूकंप, 255 लोगों की मौत, बढ़ सकता है आंकड़ा, इस्लामाबाद तक झटके

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके आए हैं, इसके चलते फिलहाल 255 लोगों की मौत की खबर मिली है। यह आंकड़ा और ज्यादा हो सकता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.1 आंकी गई है। बड़े नुकसान का अनुमान है। अफगानिस्तान की अथॉरिटीज के मुताबिक देश में भूकंप के चलते बड़े पैमाने पर मकान ध्वस्त हो गए हैं और मलबे में दबने के चलते कम से कम 255 लोगों की मौत हो गई है। बचाव कार्य शुरू किया गया है और मरने वालों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। बीते साल ही दो दशक चले लंबे युद्ध से मुक्ति पाने वाले अफगानिस्तान पर यह दूसरा बड़ा संकट हो सकता है। अफगानिस्तान की सरकारी न्यूज एजेंसी बख्तार ने अपनी रिपोर्ट में 255 मौतों की जानकारी दी है। एजेंसी का कहना है कि मौके पर हेलिकॉप्टर भेजे गए हैं और बचाव अभियान शुरू हो गया है। न्यूज एजेंसी के डायरेक्टर अब्दुल वाहिद रयान ने ट्विटर पर लिखा कि करीब 90 मकान पक्तिका में तबाह हो गए हैं। इन मकानों के मलबे में दर्जनों लोगों के दबे होने की आशंका है।

कला संकाय के प्रति बढ़ता रूझान

दीपक रंजन दास

गुस्ताखी माफ

एक खबर आई है कि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में यूजी कोर्स के प्रथम वर्ष के लिए आनलाइन पंजीयन प्रारंभ होते ही 24 हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। सर्वाधिक 9551 आवेदन गणित एवं विज्ञान संकाय में प्रवेश के लिए हैं जबकि दूसरे नंबर पर कला संकाय है जिसमें प्रवेश के लिए 9235 आवेदन आए हैं। तीसरे पायदान पर रहने वाला वाणिज्य संकाय पीछे खिसक गया है। इसके लिए अब तक केवल 5330 आवेदन आए हैं। तो क्या वाणिज्य का बुलबुला फट गया है? अब तक के आंकड़े तो यही कहते हैं पर तस्वीर अभी पूरी नहीं हुई है। सीबीएसई इंग्लिश मीडियम के विद्यार्थियों का रिजल्ट अभी आया नहीं है। दरअसल इस्पात नगरी में कॉमर्स उन लोगों के का विकल्प रहा है जो चाहते तो डाक्टर या इंजीनियर बनना थे, पर दसवीं में अंक कम हो गया। कुछ लोगों ने स्कूल बदल कर साइंस-मैथ्स में एडमिशन लिया पर ज्यादा कुछ हो न सका। पढ़ाई साल दर साल कठिन होती चली गई तो भाग कर कॉमर्स का दामन थाम लिया। इनमें बहुत कम संख्या में ऐसे विद्यार्थी भी थे जो केवल कलर ब्लाइंडनेस की वजह से साइंस छोड़ने को बाध्य हुए थे। इन बच्चों की हसरतों को पूरा करने के लिए एक पूरा मायाजाल बिछाया गया। इन्हें यकीन दिलाया गया कि ढंग से मेहनत करोगे तो सीए/सीएमए/सीएस बनकर नाम और पैसा दोनों कमा सकते हो। आज अधिकांश कॉलेजों में कॉमर्स की कक्षाएं खाली पड़ी रहती हैं। बच्चे एडमिशन तो लेते हैं पर अटेंडेंट की सेटिंग करने के बाद सीधे कोचिंग सेन्टर पहुंच जाते हैं, सीए/सीएम करने। इन बेचारों को पता ही नहीं है कि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की पॉलिसी क्या है। इंस्टीट्यूट मेरिट के आधार पर उतने ही बच्चों को पास करती है जिससे बाजार में सीए की मांग और आपूर्ति पर विपरीत प्रभाव न पड़े। इसलिए सफल बच्चों का प्रतिशत 4-5 फीसद रहता है। इसका कारण भी साफ है। यदि सीए भी चना-मुर्रा की तरह उपलब्ध होने लगे तो लोग इन्हें दस हजार रुपए में अकाउंट्स क्लर्क का जॉब ऑफर करने लगेंगे। आरंभिक कुछ वर्षों में बच्चों ने वह सुन भी लिया और मान भी लिया जो कोचिंग वाले कहते थे, पर अब वे हकीकत से वाकिफ हैं। उन्हें पता है कि सबसे ज्यादा नौकरियां और वेतन आज मार्केटिंग और सेल्स में है। बीबीए एक अच्छा विकल्प है जिसके साथ मार्केटिंग में एमबीए किया जा सकता है। किसी कोचिंग की जरूरत नहीं। आर्ट्स विषय में थोड़ी सी मेहनत कर ली तो पीएससी और यूपीएससी की तैयारी को भी समय दे पाएंगे। सरकारी स्कूलों में नौकरी का रास्ता तो खुला ही रहेगा। हरड़ लगेगी न फिटकरी और रंग चोखा आएगा।

संपादकीय

संकट में उद्धव सरकार

सोमवार शाम आए महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव परिणामों ने ही राज्य की महा विकास अघाड़ी गठबंधन सरकार के संकट का संकेत दे दिया था, ऐसे में मंगलवार सुबह जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिव सेना में बगावत की खबर सामने आई, तब किसी को बहुत हैरानी नहीं हुई। शिव सेना ने बागी खेमे का नेतृत्व कर रहे शिंदे को भले अभी पार्टी विधायक दल के नेता व मुख्य सचेतक जैसे पदों से ही हटाया हो, लेकिन उद्धव सरकार की स्थिरता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। यह सरकार नवंबर 2019 में जब से अस्तित्व में आई है, तभी से इसके भविष्य को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं, हालांकि उन तमाम आशंकाओं को धता बताते हुए उद्धव ठाकरे ने न सिर्फ अपने कार्यकाल का आधा पड़ाव पार किया, बल्कि कोरोना जैसी गंभीर महामारी के प्रबंधन में शासकीय कौशल के लिए उनकी सरकार ने कमोबेश सराहना भी बटोरी। लेकिन एकनाथ शिंदे की बगावत के रूप में उन्हें गंभीर आंतरिक चुनौती मिली है और वह इससे कैसे पार पाते हैं, इस पर उनकी सरकार और पार्टी, दोनों का बहुत कुछ निर्भर है।

> यह राजनेताओं को ही सोचना है कि हजारों-लाखों लोगों को सुरक्षा देने का वादा करके राजधानी पहुंचने वाले विधायक-सांसद दूसरे सूबे में क्यों शरण लेने लगे हैं? राजनीतिक दलों को ही यह चिंतन करना होगा कि इस आखेटक प्रवृत्ति ने देश के संविधान और माननीयों की कितनी इज्जत बढ़ाई है? महाराष्ट्र सरकार पर मंडराता संकट दरअसल भारतीय राजनीतिक संस्कृति का संकट है।

महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक संकट ने सियासी अवसरवादिता को फिर से बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। विडंबना यह है कि यहां के लगभग हरेक राजनीतिक दल ने दलबदल को बढ़ावा दिया है और इस प्रवृत्ति ने पाला बदलने के नैतिक पहलू को बेमानी बना दिया। जन-प्रतिनिधियों की एक बड़ी संख्या के लिए सिर्फ अपना हित सर्वोपरि हो गया है, और इसका खामियाजा सभी दलों को भुगतना पड़ रहा है। अब सिर्फ मौके और हालात ही ऐसे विधायकों को नियंत्रित करते हैं, विचारधारा या जनहित नहीं। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं कही जा सकती।

शिव सेना के नेताओं का आरोप है कि इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम की पटकथा भाजपा ने लिखी है, और इसके पक्ष में वे सूरत के एक होटल में बागियों के शरण लेने की दलील पेश कर रहे हैं, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इससे पार्टी की अपनी कमजोरी कहां छिप जाती है? राज्यसभा चुनाव में ही विधायकों के असंतोष की बात सामने आने के बाद पार्टी ने उन्हें मनाने की क्या कोशिश की? कोई भी प्रतिपक्षी दल यदि किसी पार्टी के विधायकों को तोड़ने में कामयाब हो जाता है, तो इसका सीधा अर्थ है कि पार्टी ने टिकट बांटते समय अपने उम्मीदवार की प्रतिबद्धता ठीक से नहीं आंकी थी। पार्टी नेतृत्व का अपने विधायकों के साथ संवाद नहीं था या वह उनकी शिकायतें दूर नहीं कर सका। शिव सेना तो प्रतिबद्धता का दावा भी नहीं कर सकती, क्योंकि मुख्यमंत्री पद के लिए उसने भाजपा के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन को तोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस से हाथ मिलाया है। देश में जो राजनीतिक संस्कृति इस वक्त अपनी पैठ बना चुकी है, उसमें किसी दल को यह गुमान नहीं पालना चाहिए कि प्रतिनिधियों का जो आंकड़ा जनादेश में उसे मिला है, वह अगले चुनाव तक अक्षुण्ण रहेगा। क्योंकि जब सिर्फ सत्ता-सुख ध्येय हो, तब बाकी सब बातें मायने नहीं रखतीं। यह राजनेताओं को ही सोचना है कि हजारों-लाखों लोगों को सुरक्षा देने का वादा करके राजधानी पहुंचने वाले विधायक-सांसद दूसरे सूबे में क्यों शरण लेने लगे हैं? राजनीतिक दलों को ही यह चिंतन करना होगा कि इस आखेटक प्रवृत्ति ने देश के संविधान और माननीयों की कितनी इज्जत बढ़ाई है? महाराष्ट्र सरकार पर मंडराता संकट दरअसल भारतीय राजनीतिक संस्कृति का संकट है।

प्रतिरोध के बिना कैसा लोकतंत्र!

असहमति और प्रतिरोध, ये दो चीजें लोकतंत्र की बुनियादी पहचान और केंद्रीय व मूलभूत विशेषताएं हैं। इनके बिना लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया के जिन देशों में नियमित चुनाव होने के बावजूद असहमति की अभिव्यक्ति और प्रतिरोध के प्रदर्शन की इजाजत नहीं होती है उन्हें लोकतंत्र नहीं माना जाता है। राम मनोहर लोहिया की ये पंक्तियां बहुत बार दोहराई जा चुकी हैं लेकिन आज के संदर्भ में बेहद प्रासंगिक हैं इसलिए कहना जरूरी है कि 'सड़कें सूनी हो जाएंगी तो संसद आवारा हो जाएगी'। एक जीवंत लोकतंत्र और जाग्रत संसदीय व्यवस्था की पहचान है कि उसकी सड़कें आंदोलनों से आबाद रहें। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि सरकारों में निरकुंश होने की स्वाभाविक प्रवृति होती है। यह किसी व्यक्ति का मामला नहीं है, बल्कि सत्ता और शक्ति का मामला है। यह भी बहुत दोहराया जा चुका उद्धरण है कि 'सत्ता भ्रष्ट बनाती है और असीमित सत्ता असीमित रूप से भ्रष्ट बनाती है'। लेकिन असीमित सत्ता सिर्फ भ्रष्ट नहीं बनाती है, निरंकुश भी बनाती है। कोई भी सत्ता निरंकुश न हो, इसके लिए जरूरी होता है कि असहमति की सार्वजनिक अभिव्यक्ति होती रहे और प्रतिरोध के आंदोलन चलते रहें।

दो मौजूदा प्रसंगों की वजह से देश में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पहला प्रसंग पैगंबर मोहम्मद पर भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणी का है। टिप्पणी निःसंदेह अपमानजनक थी तभी भाजपा ने खुद अपने दोनों प्रवक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की और उन्हें पार्टी से निकाला। लेकिन इसके विरोध में सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बजाय भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलवा रही है। किसी भी प्रदर्शन या आंदोलन में तोड़-फोड़ या हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता है लेकिन उसी तरह किसी प्रदर्शन में शामिल राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं के घर पर बुलडोजर चलवाना भी सही नहीं ठहराया जा सकता है। इस मामले में प्रदर्शनकारियों से ज्यादा जिम्मेदारी सरकारों की बनती है। प्रदर्शनकारियों की तरह सरकारें कानून अपने हाथ में नहीं ले सकती हैं।

दूसरी अहम बात यह है कि बुलडोजर चला कर प्रदर्शनकारियों को सजा देने से पहले पार्टियों को, जिसमें भाजपा भी शामिल है, देश की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गए प्रतिरोध के तरीके को बदलना होगा। भाजपा की सरकारें जिस तरह के प्रतिरोध और आंदोलन के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं, उसी तरह के आंदोलनों से भाजपा का निर्माण हुआ है। मंडल आयोग की रिपोर्ट के खिलाफ आरक्षण विरोधी आंदोलन हो या अयोध्या में मंदिर का आंदोलन हो, भाजपा ने वहीं तरीका अपनाया था, जिस तरीके का इस्तेमाल करने पर आज वह बुलडोजर चला रही है। आज भी भाजपा जिन राज्यों में विपक्ष में है वहां वह उसी तरह से आंदोलन कर रही है, जिस तरह का आंदोलन करने पर उसकी सरकारें विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर लाठियां बरसा रही हैं। **-अजीत द्विवेदी**

> **इस परिस्थिति में भारत को लचीली कूटनीति का प्रयोग करना होगा। भारत के हित रूस के साथ भी हैं और पश्चिम के देशों के साथ भी। साथ ही, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी सामरिक चुनौती चीन है। इसलिए भारत को एक संतुलित नीति अपनानी होगी। इसके साथ-साथ, हमें दुनिया को यह संदेश भी देना होगा कि भारत स्वतंत्र विदेश नीति का पोषण कर रहा है और वह अमेरिकी खेमे में नहीं जाने वाला।**

एक नए शीत युद्ध की आती आहट

विवेक काटजू, पूर्व राजदूत

यूक्रेन पर रूस के हमले के चार महीने पूरे हो रहे हैं। अब यह स्पष्ट है कि युद्ध छिड़ने से पहले रूस के जो लक्ष्य थे, वे पूरे नहीं होंगे। संभवत: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह नहीं सोचा था कि यूक्रेन सरकार और जनता इतनी मजबूती से उनकी सेनाओं का मुकाबला करेगी और अमेरिका व नाटो देश उनकी हरसंभव मदद करेंगे। अब रूस के लक्ष्य सीमित रह गए हैं- पूर्वी यूक्रेन यानी डोनबास के इलाके पर पूर्ण कब्जे के साथ-साथ दक्षिण यूक्रेन में ओशकिव और काले सागर (ब्लैक सी) के तट पर नियंत्रण। अभी तो लगता यही है कि रूस इस मंशा में कामयाब हो जाएगा, हालांकि यह साफ नहीं है कि ओडेसा बंदरगाह पर वह किस तरह का रुख अपनाएगा?

सवाल यह है कि इस युद्ध का रूस, यूरोप व शेष दुनिया पर क्या असर पड़ेगा और, रूस अपने सीमित लक्ष्य की क्या कीमत चुकाएगा? राष्ट्रपति पुतिन यही मानते हैं कि रूस की यूक्रेन में ऐतिहासिक भूमिका थी, जिसके चलते कीव को यह अधिकार नहीं था कि वह पश्चिम के पाले में, खासकर नाटो के साथ चला जाए। अभी ऐसा नहीं लगता कि आने वाले वर्षों में यूक्रेन नाटो का सदस्य बन सकेगा, लेकिन स्वीडन और फिनलैंड की सदस्यता नाटो के देश अंतत: स्वीकार करेंगे, जिसका रूस की सामरिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यानी, अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जिस जंग में रूस ने हाथ डाले, वही अब उसके हाथ जला रही है।

रूस के सामने एक और समस्या है, जो नाटो के देशों द्वारा यूक्रेन को दिए जाने वाले समर्थन से पैदा होगी, और लंबे वर्षों तक चलेगी। नाटो के देश अब भी यूक्रेन को युद्ध सामग्री दे रहे हैं, और वे इतनी मात्रा में यह मुहैया कराते रहेंगे कि स्थिति सामान्य नहीं हो सकेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जल्द ही यूक्रेन को एक अरब डॉलर की अतिरिक्त सैन्य मदद देने का एलान किया है। कहा जा सकता है कि रूस जिस प्रकार से 1980 के दशक में अफगानिस्तान के दलदल में फंस गया था, उसके लिए ठीक वही स्थिति नाटो के देश, खासतौर से अमेरिका अब यूक्रेन में पैदा करना चाहता है।

बहरहाल, यूक्रेन पर आक्रमण से यूरोप की सामरिक स्थिति तो बदली ही, विश्व की आर्थिक स्थिति भी चरमरा गई है। विशेषकर ऊर्जा आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है, जिसके कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के दाम अत्यधिक बढ़ गए हैं। इसका बुरा असर भारत पर भी पड़ रहा है। इसके अलावा, यूक्रेन से काफी मात्रा में गेहूं का निर्यात होता है और पश्चिमी एशिया के देश व अफ्रीका इसी गेहूं पर निर्भर हैं। इन दिनों यह आपूर्ति बंद है, जिसके कारण संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के गेहूं पर निर्भर देशों को भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। भारत ने भी गेहूं का निर्यात रोक दिया है, लेकिन विश्व खाद्य कार्यक्रम से यह अपील भी की है कि वह 'गवर्नमेंट टु गवर्नमेंट' (सरकारी एजेंसियों, विभागों और संगठनों के बीच) गेहूं की आपूर्ति की इजाजत दे। यह एक अच्छा कदम है।

उधर, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बात की, जिसका ब्योरा देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया है कि बीजिंग रूस की संप्रभुता और सामरिक नजरिये के पक्ष में है। इस आश्वासन से पुतिन को फिर से राहत मिली होगी, क्योंकि जिस प्रकार से रूस पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं, उसके कारण आर्थिक दृष्टि से उसे चीन की जरूरत है। यानी, वह जितनी ऊर्जा का आयात रूस से कर रहा है, उसे वह बढ़ाए। साथ ही, अन्य सामग्रियों के आयात में भी कटौती न करे। खबर भी है कि चीन ने रूस से तेल का आयात बढ़ा दिया है और यह एक साल पहले के स्तर से 55 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। अब सऊदी अरब को पछाड़ते हुए रूस चीन में तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बन गया है।

रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की यह भंगिमा इसी का संकेत है कि चीन अमेरिका की नीतियों का हर सूरत मुकाबला करना चाहता है। हां, यह सच है कि भारत ने भी इस हमले की निंदा नहीं की है, पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारतीय प्रतिनिधियों के बयानों से स्पष्ट है कि नई दिल्ली इसे गलत मानती है। पहले भारत जहां रूस के सामरिक नजरिये का जिक्र किया करता था, वहीं 24 फरवरी, यानी यूक्रेन पर हमले की शुरुआत वाले दिन से उसने ऐसा करना बंद कर दिया है। नई दिल्ली ने जोर देकर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मसलों का समाधान कूटनीति व बातचीत से ही निकाला जाना चाहिए। इसमें किसी भी देश की संप्रभुता का हनन नहीं होना चाहिए और न ही सीमाओं का उल्लंघन।

इसके उलट, चीन अब भी रूस के सामरिक नजरिये की चर्चा करता है। दरअसल, वह रूस की दुविधा का फायदा उठाना चाहता है। उसके रुख से जाहिर है कि वह अमेरिका और नाटो देशों का परोक्ष रूप से मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ रहा है। देखा जाए, तो आज की सबसे बड़ी वैश्विक समस्या अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्द्धा ही है। चीन की मंशा रूस की उन कमजोरियों से लाभ कमाने की है, जो इस युद्ध के कारण उत्पन्न होंगी। उधर, अमेरिका भी यह जानता है कि यूरोप के देशों पर वह इतना दबाव नहीं बना सकता कि वे रूस से ऊर्जा लेना पूरी तरह बंद कर दें। इसलिए वह रूस पर प्रतिबंध तो बढ़ाएगा, लेकिन इतना ज्यादा भी नहीं कि रूस विवश होकर कोई ऐसा खतरनाक कदम उठा ले, जिससे विश्व शांति को खतरा पैदा हो जाए।

रूस-यूक्रेन युद्ध का विश्व व्यवस्था पर असर पड़ना लाजिमी है। यह भी लगता है कि दुनिया एक नए शीत युद्ध की तरफ बढ़ेगी, जिसमें एक तरफ अमेरिका और उसके यूरोप व एशिया के मित्र राष्ट्र होंगे, तो दूसरी तरफ चीन व रूस। इस परिस्थिति में भारत को लचीली कूटनीति का प्रयोग करना होगा। भारत के हित रूस के साथ भी हैं और पश्चिम के देशों के साथ भी। साथ ही, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी सामरिक चुनौती चीन है। इसलिए भारत को एक संतुलित नीति अपनानी होगी। इसके साथ-साथ, हमें दुनिया को यह संदेश भी देना होगा कि भारत स्वतंत्र विदेश नीति का पोषण कर रहा है और वह अमेरिकी खेमे में नहीं जाने वाला।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वह प्रोफेसर, जिसने विश्व को सर्वेक्षण के मानक बताए

प्रमीत भट्टाचार्य, वरिष्ठ पत्रकार

साल 1946 की गरमियों में संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग (यूएनएससी) की बैठक में ब्रिटिश उपनिवेश के एक प्रतिनिधि ने व्यापक नमूना सर्वेक्षण के लिए वैश्विक मानक तय करने हेतु भावपूर्ण दलील पेश की। वह प्रतिनिधि थे प्रशांत चंद्र महालनोबिस। उन्होंने कहा था कि घर-घर का सर्वेक्षण कई विकासशील देशों के लिए अमूल्य डाटा स्रोत बन सकता है, क्योंकि उनके पास उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की तरह समृद्ध प्रशासनिक डाटा का संग्रह नहीं है। महालनोबिस का सुझाव मान लिया गया, और भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) में इस तरह का सर्वेक्षण करने के उनके अद्वितीय अनुभव को देखते हुए उन्हें ही नमूने पर यूएनएससी की पहली उप-समिति की अध्यक्षता करने को कहा गया। जाहिर है, आईएसआई ने जिस प्रक्रिया को जन्म दिया था, यानी सर्वेक्षण करने के लिए एक पायलट सर्वे का इस्तेमाल और सर्वेक्षण में विभिन्न प्रकार की गलतियों को पता लगाने के लिए प्रतिकृति नमूनों का उपयोग करने संबंधी तरीके को दुनिया भर में अपनाया गया।

महालनोबिस का योगदान महज नमूना संबंधी मानदंडों के मानकीकरण तक सिमटा नहीं था। जब यूएनएससी ने राष्ट्रीय खातों (जिसके माध्यम से किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद की गणना की जाती है) की जांच के लिए नियम बनाने के लिए एक समिति का गठन किया, तब महालनोबिस से प्रशिक्षित मोनी मोहन मुखर्जी को टास्कफोर्स में शामिल होने के लिए कहा गया। महालनोबिस ने 1950 के दशक में यूएनएससी के आठवें और नौवें सम्मेलन की अध्यक्षता की, और अपनी मृत्यु तक इसकी सभी बैठकों में शामिल होते रहे। सन् 1972 में जब उनका देहांत हुआ, तब यूएनएससी की शोक-पुस्तिका में लिखा गया, हमने अपने सबसे प्रतिष्ठित और अनुभवी नेतृत्व को खो दिया है।

वैश्विक मंच पर महालनोबिस की यह पहल दरअसल डाटा में कायम अंतर को भरने की उनकी इच्छा थी, जिससे भारत और अधिकांश विकासशील देश जूझ रहे थे। 20वीं सदी के सबसे महान सांख्यिकीविद् रोनाल्ड फिशर ने कहा था कि महालनोबिस के काम में उन्हें सबसे ज्यादा जिस चीज ने प्रभावित किया, वह थी उनकी मौलिकता। उनका काम कहीं से नकल करके नहीं तैयार किया गया था।

उस दौर के अधिकांश बुद्धिजीवियों की तरह महालनोबिस को योजना बनाने में गहरा विश्वास था, जो उनकी नजर में विकास व तरक्की का साधन थी। अच्छी योजनाओं के लिए अच्छे डाटा की जरूरत थी, और इसी ने उनको आजाद हिन्दुस्तान के शुरुआती वर्षों में डाटा एकत्र करने वाले संस्थान स्थापित करने को प्रेरित किया। वित्त मंत्रालय की राष्ट्रीय आय इकाई को, जिसकी अध्यक्षता मुखर्जी कर रहे थे, बांटकर केंद्रीय सांख्यिकी संगठन नामक एक अलग विभाग बनाया गया। राष्ट्रीय आय की गणना में कमियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण प्रणाली की शुरुआत की गई। और, औद्योगिक गतिविधि पर नियमित डाटा हासिल करने के लिए वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण की शुरुआत की गई। योजनाओं को लेकर महालनोबिस की सोच बेशक समय के साथ कमजोर पड़ती गई, मगर उनके सांख्यिकीय तरीके वक्त की कसौटी पर खरे उतरे। जिस तरह से भारत और दुनिया के अधिकांश देश डाटा एकत्र करते हैं, वह उनकी मौलिक सोच की ही देन है। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री एंगस डेटन ने 2005 में एक लेख में लिखा भी कि जब महालनोबिस (और भारत) ने अगुवाई की, तब दुनिया ने उनका अनुसरण किया।

महालनोबिस के हक में कई चीजें थीं। एक प्रसिद्ध बंगाली ब्राह्मण परिवार में जन्म लेने के कारण सामाजिक संपर्क उनकी महत्वपूर्ण थाती थी। वह रवींद्रनाथ टैगोर के करीबी थी, जिनके घर पर उन्हें जवाहरलाल नेहरू के साथ लंबा समय बिताने का मौका मिला। सीडी देशमुख का अपार स्नेह भी उनको मिला। एक सिविल सेवक और केंद्रीय बैंक के कर्मी के रूप में देशमुख ने महालनोबिस को सरकारी धन दिलाने में मदद की, ताकि आईएसआई अपने शुरुआती वर्षों में वित्तीय संकटों से पार पा सके। हालांकि, इन फायदों के बावजूद उनकी राह आसान नहीं रही। देशमुख (तब वह वित्त मंत्री और आईएसआई के अध्यक्ष थे) को लिखी चिट्ठी में उन्होंने बताया कि किस तरह से लाल-फीताशाही संस्थानों के कामों को रोक रही है।

ऐसे समय में, जब हम भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, शुरुआती वर्षों की इसकी सांख्यिकीय उपलब्धियों पर हमें निस्संदेह गर्व होना चाहिए। मगर साथ ही, हमें यह भी पूछना चाहिए कि भारत के सांख्यिकीय तंत्र को अब क्यों नहीं शुरुआती वर्षों जैसा सम्मान मिलता है?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

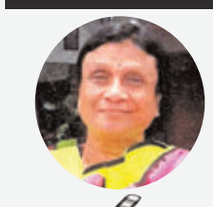

भक्ति भावों से देखूं
भगवन तुझे, एक बार
खुल जाए भक्ति के
द्वार, सौ-सौ बार
दर्शन करूं रोम-रोम
में बस जाऊं भगवन
बस एक बार।

-अंजली जैन
7024460938

भय, अहंकार और त्रिभुज

मनुष्य अपने को दोषी कैसे समझे? उसकी बुद्धि का तो समाज, धर्म व राजनीति के त्रिभुज से हरण है। हर मनुष्य त्रिभुज की ओपन जेल का बेसुध प्राणी है। हर बुराई याकि ईविल उसे इसलिए खटकती नहीं है क्योंकि उनका इतिहास व वंशानुगत अनुभवों से साधारणीकरण हुआ पड़ा है। कभी तलवार थी तो अब मिसाइल, बुलडोजर व लाठी है। इसलिए वह जायज है और उपयोगी है। पशुता, ईविल और औजार स्थायी है। पर हां, रूप बदलते हैं। कोई बुराई समाज का सहारा है तो किसी से धर्म को बल है और किसी से राजनीति का जलवा बनता है।

प्रलय का मुहाना-27: यदि खुली जेल और पालतू जीवन मनुष्य सच्चाई है तो सवाल है भला फिर मनुष्य के सभ्य बनने, सभ्यता बनाने की बातों का क्या अर्थ? इससे भी अधिक गहरा सवाल है कि मनुष्य घूम फिर कर पशुगत नियति में फंसा क्यों मिलता है? वजह मनुष्य खुद। जो हुआ है और जो है वह मनुष्य के अपने विचारों से है। मतलब पहली बात जैसी मनुष्य प्रकृति वैसे आइडिया! दूसरा बिंदु जैविक शरीर (डीएनए) की खोपड़ी से बना तयशुदा व्यवहार है। तीसरा बिंदु बुद्धि, स्वतंत्रता (कर्म) और 'मैं' के 'मालिकना' की उड़ती तीन वृत्तियां हैं। चौथा बिंदु मानव के तीन आविष्कार-औजार (पत्थर, अग्नि और भाषा) है। पांचवां बिंदु उसकी तीन प्राप्तियां (शिकार, पशुपालन और प्लांटपालन कृषि) है। छठा, आखिरी बिंदु मन के भय में होमो सेपियन द्वारा समाज, धर्म और राजनीति को बनाना है। और फिर इन तीनों के त्रिभुज में वैयक्तिकता का जकड़ना है।

विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, धर्म की किसी भी भाषा और समझ में विचार करें तो यह सत्य समझ आएगा कि इंसान ने ब्रह्मा की बुद्धि, विष्णु के चित्त-कर्म, शिव के अहंकार, चंद्रमा के चंचल मन, इंद्रियों की सूक्ष्म पञ्चतन्मात्राओं (स्पर्श, रस, गंध, रूप और शब्द) सभी को उनकी पूर्णता में समाज, धर्म और राजनीति के त्रिभुज का बंधक बनाया है, जिससे मानव जिंदगी नियतिगत ढर्रे की मारी है।

यहीं मनुष्य की कुल उपलब्धि है! इसी में क्रमिक विकास है। कहानियां हैं। इतिहास है। सभ्यताओं के बाड़े हैं। देशों की चारदिवारियां हैं। विकास और विनाश दोनों का वह सिलसिला है, जिसका अंत अब पर्यावरण और पृथ्वी के प्रलय की टाइमलाइन की करीबी से आता हुआ होना है।

यक्ष प्रश्न है क्यों होमो सेपियन ने पहले तो समाज, धर्म, राजनीति के आइडिया खोजे और क्यों वह तीन भुजाओं की त्रिपुटी में जिंदगी को बांध बैठा?

समाज, धर्म, राजनीति

जवाब में पहला मूल कारण भय है। भय ही वह कारण है, जिससे पहले व्यक्ति कबीले का हिस्सा हुआ। दूसरे, जिसके कारण जादू-टोना, कबिलाई ओझा याकि पुरोहित और अंधविश्वास बने।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

सीएम बघेल का बड़ा दावा- हो रही अवैध फोन टैपिंग सरकार अस्थिर करने की कोशिश कर रहा केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को केंद्र पर उनकी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में 'अवैध फोन टैपिंग' की जा रही है। बघेल की यह टिप्पणी उस दिन आई है जब महाराष्ट्र का सत्तारूढ़ गठबंधन महा विकास अघाड़ी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है क्योंकि शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे अपनी पार्टी के कुछ विधायकों के साथ गुजरात के सूरत गए हैं।

बघेल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ खड़े लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भाई के खिलाफ सीबीआई छापे और छत्तीसगढ़ में 'अवैध फोन टैपिंग' का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि केंद्र गैर-भाजपा दलों द्वारा संचालित राज्य सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्रीय एजेंसी द्वारा गांधी से पूछताछ के विरोध में यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय के सामने धरने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बघेल ने यह टिप्पणी की। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा, राहुल जी देश की जनता का समर्थन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें परेशान किया जा रहा है। राहुल जी का समर्थन करने वालों को भी परेशान किया जा रहा है।

सीबीआई को अशोक गहलोत के भाई के पास राजस्थान भेजा गया था। अब छत्तीसगढ़ में भी फोन टैपिंग की जानकारी सामने आ रही है। लेकिन हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में एक 'सत्याग्रह' किया, जिसमें ईडी के 'दुरुपयोग' और गांधी के 'उत्पीडन्' का आरोप लगाया, जिनसे एजेंसी ने नेशनल हेराल्ड मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में पांचवें दिन पूछताछ की। गहलोत और बघेल सहित प्रदर्शनकारी नेताओं ने बाद में घोषणा की कि वे जंतर-मंतर तक मार्च निकालेंगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया क्योंकि उनके पास आवश्यक अनुमति नहीं थी। कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। एजेंसियों को इसका पता तब चला जब उन्होंने पाया कि पाकिस्तान स्थित गुर्गे कुछ भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों से जानकारी प्राप्त करने के लिए एक्सचेंज का इस्तेमाल कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि जिस व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, उसने भुवनेश्वरी नगर, चिक्कासांद्रा और सिद्देश्वर लेआउट में स्थानों पर 2,144 सिम कार्ड स्थापित करने के लिए 58 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया।

जासूसी के लिए इस्तेमाल अवैध टेलीफोन एक्सचेंज का भंडाफोड़

उधर सेना के खुफ्रिया विभाग और बेंगलुरू पुलिस ने देश में जासूसी की गतिविधियों में मदद के लिए कथित तौर पर विदेशी कॉल को स्थानीय कॉल में बदलने वाले एक अवैध टेलीफोन एक्सचेंज का भंडाफोड़ किया है। एक आरोपी की पहचान केरल के वायनाड निवासी शराफुद्दीन (41 वर्षीय) के रूप में हुई है जिसे दोनों एजेंसियों ने संयुक्त अभियान के दौरान हिरासत में लिया है। शराफुद्दीन पर कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू के बागलगुंटे मुख्य सड़क क्षेत्र में चार स्थानों पर कई मोबाइल सिम कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में रखने के आरोप है। अधिकारियों ने कहा कि अवैध गतिविधि ने दूरसंचर विभाग को धोखा दिया और देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया।

हरियाली प्रसार योजना: तीन वर्षों में 83 लाख से अधिक पौधों का रोपण

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा संचालित ''हरियाली प्रसार'' योजना के अंतर्गत तीन वर्षों वर्षा ऋतु 2019, 2020 तथा 2021 में 83 लाख 31 हजार पौधों का रोपण किया गया है। इससे 07 हजार 400 हेक्टेयर रकबा हरियाली से आच्छादित हुआ है। इसमें हितग्राहियों तथा कृषकों की ओर से पौधों की बढ़ती मांग को देखते हुए वृद्धि कर वर्ष 2022-23 में इस योजना के अंतर्गत वनेत्तर क्षेत्रों में कृषकों की भूमि पर रोपण के लिए बजट में 17 करोड़ 58 लाख रूपए की राशि का प्रावधान किया गया है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि ''हरियाली प्रसार'' योजना पर्यावरण सुधार सहित पड़त भूमि के विकास तथा लोगों की आय में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। हरियाली प्रसार योजना में कृषकों की स्वयं की भूमि पर कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करने और हरियाली को बढ़ाए जाने के लिए विभाग द्वारा प्रति हितग्राही 50 से 5 हजार तक न केवल पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं, बल्कि उसके देखरेख के लिए अनुदान के रूप में आंशिक राशि भी उपलबध कराई जाती है। इससे कृषकों को लगभग 30 हजार रूपए प्रति एकड़ प्रति वर्ष का लाभ अर्जित हो सकेगा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि हरियाली प्रसार योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में 30 लाख 95 हजार पौधों का रोपण किया गया है। इससे 13 हजार 651 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। इनमें वन वृत्त रायपुर अंतर्गत 1500 हितग्राहियों द्वारा 25 हजार 730 पौधों तथा कांकेर अंतर्गत 3 हजार 089 हितग्राहियों द्वारा 6 लाख 30 हजार पौधों का रोपण किया गया है। इसी तरह वन वृत्त सरगुजा अंतर्गत 419 हितग्राहियों द्वारा 99 हजार 250, जगदलपुर अंतर्गत 2 हजार 391 हितग्राहियों द्वारा 3 लाख 80 हजार, दुर्ग अंतर्गत 3 हजार 632 हितग्राहियों द्वारा 3 लाख 59 हजार पौधों तथा बिलासपुर अंतर्गत 2 हजार 620 हितग्राहियों द्वारा 16 लाख पौधों का रोपण किया गया है। इनका रोपण 2 हजार 800 हेक्टेयर रकबा में हुआ है। हरियाली प्रसार योजना के तहत वर्ष 2019-20 में एक हजार 600 हेक्टेयर रकबा में 18 लाख 56 हजार तथा वर्ष 2020-21 में 3 हजार हेक्टेयर रकबा में 33 लाख 80 हजार पौधों का रोपण हुआ है। इनमें वर्ष 2019-20 में 10 हजार 497 तथा वर्ष 2020-21 में 20 हजार 16 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। योजना के अंतर्गत सागौन, बांस, खम्हार, आंवला, शीशम, चंदन, मीलिया डुबिया, क्लोनल नीलगिरी, टिशू कल्चर बांस, टिशू कल्चर सागौन, आम, कटहल, मुनगा, सीताफल एवं अन्य प्रजातियों के पौधों का रोपण शामिल हैं।

खास खबर

उद्योग मंत्री ने बाली में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ होने की जानकारी दी

जगदलपुर। जी-20 एवीपीएन विश्व सम्मेलन में शामिल होने उद्योग मंत्री कवासी लखमा की अगुवाई में इंडोनेशिया गए प्रतिनिधि मंडल की आज कॉन्फ्रेंस के पहले दिन बैठक नीथारलैंड बेस्ड संस्था पोर्टिकस के रीजनल डायरेक्टर सुखमनी सेठी से बाली कन्वेंशन सेन्टर में हुई। चर्चा के दौरान अरुण प्रसाद प्रबंध संचालक सीएसआईडीसी ने राज्य में सस्टेनेबल डेवलपमेंट में हो रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मंत्री द्वारा विशेषकर बस्तर के क्षेत्र में शिक्षा में हुए सुधार में अनुसंधान पर बल दिया। सेठी ने बताया कि झारखंड में पोर्टिकस पहले से ही काम कर रही है और उसका परिणाम अच्छा आ रहा है। मंत्री कवासी लखमा ने इस ग्रुप को छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण दिया। इसी कड़ी में अमेरिका बेस्ड सनफोर्ड पैक्स संस्था के एगजीक्यूटिव डायरेक्टर प्रिया शंकर से बैठक हुई इसमें उद्योग मंत्री लखमा ने राज्य में चल रहे गोधन न्याय योजना, एनजीजीबी, सीमार्ट, रिपा आदि विषयों पर विस्तार से बताया तथा राज्य में उपलब्ध लघु वनोपज उत्पाद से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए शासन द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन की पहल को विदेश में सराहा गया। इनसे भी राज्य में आने का अनुरोध किया गया ताकि शिक्षा में अनुसंधान तथा सामाजिक आर्थिक उन्नति में किस प्रकार से इस बड़े संस्थाओं का सहयोग लिया जा सके इस पर आगे काम करना है। उद्योग मंत्री कवासी लखमा अपने इंडोनेशिया प्रवास के दौरान एतिहासिक नगरी बाली के उलुवातु मन्दिर के दर्शन किये। इससे पहले 19 जून को इंडोनेशिया पहुंचने पर एयरपोर्ट में उद्योग मंत्री तथा उनके साथ गए सदस्यों का परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया।

सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एनसीसी, एनएसएस एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन माध्यम से योग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष महाविद्यालय में योग दिवस के उपलक्ष्य में योगाभ्यास किया जाता है।

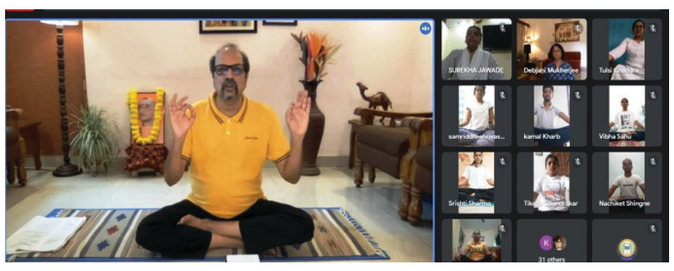

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञान दर्शन योगाश्रम सेक्टर 10 भिलाई के योग गुरु जी एम अरुण कुमार थे। अरुण कुमार ने योग के लाभों की जानकारी देते हुए प्राणायाम एवं विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास कराया। उन्होने बताया कि जिन व्यक्तियों को रक्तचाप है उन्हें कुछ ऐसे आसन हैं जो नहीं करना चाहिए। इस कार्यक्रम में एनसीसी 37 सी जी बटालियन के कैडेट्स, एनएसएस के स्वयंसेवक एवं सभी प्राध्यापकों सहित 63 प्रतिभागियों ने योगाभ्यास किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. जी. रोईमोन ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनायें दी।

इस अवसर पर आईक्यूएसी समन्वयक डॉ देबजानी मुख़र्जी, समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, अन्य कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में आयोजित अंतराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र इखार के नेतृत्व में 15 स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय में योगाभ्यास किया। आज के इस कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ प्रतीक शर्मा ने किया एवं स्वागत उद्बोधन तथा धन्यवाद ज्ञापन महविद्यालय की एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ सुरेखा जवादे ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग को बनाएं जीवन का हिस्सा: उमेश पटेल

मंत्री पटेल के मुख्य आतिथ्य में रायगढ़ स्टेडियम में आयोजित हुआ योगाभ्यास

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आज "मानवता के लिए योग" थीम के साथ रायगढ़ स्टेडियम में उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने सभी को योग दिवस की बधाई और शुभकामनांए दी।

कार्यक्रम में उन्होंने योग को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि योग हमारे शरीर को स्वस्थ बनाता है। उन्होंने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। सभी नागरिकों को प्रतिदिन कम से कम आधे घंटे योग करना चाहिए। योग दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों में योगाभ्यास किया गया। जहां योग प्रशिक्षकों द्वारा योग के विभिन्न आसनों और मुद्राओं के बारे में जानकारी देकर उसके सेहत से जुड़े फायदे बताये गए।

स्कूली बच्चे भी बड़ी संख्या में योग दिवस के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। समाज कल्याण विभाग द्वारा रामझरना में भी योगाभ्यास का आयोजन किया गया था। रायगढ़ स्टेडियम में रायगढ़ विधायक प्रकाश नायक, रायगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, कलेक्टर भीम सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी व गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में शामिल होकर सामूहिक योगाभ्यास किया।

योगाभ्यास हमारी शारीरिक क्षमताओं में वृद्धि करता है - मंत्री टेकाम

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला मुख्यालय सूरजपुर में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने योगाभ्यास में शामिल लोगों को नियमित योगाभ्यास का संकल्प दिलाया। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि योगाभ्यास हमारी शारीरिक तथा मानसिक क्षमताओं में वृद्धि करता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली के लिए योगाभ्यास जरूरी है आध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के मध्य सामंजस्य स्थापित करता है। मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन की कला और विज्ञान है। योग निरोग रहने का सशक्त माध्यम है प्राचीन काल से ही योग को स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक माना गया है यही कारण है कि राज्य सरकार बच्चों में भी योग की भावना जागृत करने स्कूलों में इसे लागू कर रही है। आधुनिक युग में मानसिक रोग से ग्रसित लोगों का उपचार योग से ही संभव है राज्य सरकार प्रदेशभर में सुदूरवर्ती अंचलों को योगाभ्यास से जोड़ने का हर संभव प्रयास कर रही है।

संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े ने भी निरोग एवं स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योगाभ्यास को जरूरी बताया। आधुनिकता के दौर में तनावग्रस्त जीवन से बचने के लिए योगाभ्यास ही सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि शरीर, मन एवं आत्मा का सामंजस्य पूर्ण विकास ही योग है। उन्होंने योग के सार्वजनिक जीवन में महत्व के बारे में प्रकाश डाला। कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने कहा कि योग निरोगी जीवन का मूल मंत्र है। हमें इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि योग हमारे तन का हिस्सा बने। योग स्वस्थ जीवन का प्राचीनतम मूल मंत्र है। ऋषि-मुनियों ने भी योग को स्वस्थ और जागृत जीवन के लिए आवश्यक बताया है। उन्होंने बताया कि योग को जनसामान्य तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा नियमित योगाभ्यास की कक्षा भी प्रारंभ की जा रही है। मंगल भवन में जिला प्रशासन द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह समेत भटगांव विधायक व संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, सूरजपुर कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा व एसपी रामकृष्ण साहू ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। स्वागत उद्बोधन सूरजपुर कलेक्टर ने दिया।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना: 22.42 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज, स्लम बस्तियों के लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक 31740 कैम्प आयोजित

एम.एम.यू के माध्यम से अब तक 18 लाख 38 हजार से अधिक मरीजों को दी गई नि:शुल्क दवाएं

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक मोबाइल मेडिकल टीम द्वारा 22 लाख 42 हजार 235 लोगों को नि:शुल्क इलाज मुहैया कराया गया है। इसके तहत राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में अब तक मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम द्वारा 31 हजार 740 कैम्प लगाकर लोगों की नि:शुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध करायें।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा इस योजना से लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मिलने की सफलता को देखते हुए 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई। इस योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक 4 लाख 45 हजार 661 मरीजों को पैथालॉजी टेस्ट की सुविधा मुहैया कराने के साथ ही 18 लाख 38 हजार 804 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क दवाएं दी गई हैं।

युवोदय एकेडमी में कोचिंग लेकर सफल हुए विद्यार्थियों ने कलेक्टर से की मुलाकात

श्रीकंचपथ न्यूज

जगदलपुर। जिला प्रशासन द्वारा 10वीं एवं 12वीं स्तर के सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्थापित युवोदय अकादमी से कोचिंग लेकर सफल हुए विद्यार्थियों ने मंगलवार को कलेक्टर रजत बंसल से मुलाकात किए। कलेक्टर बंसल ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी सहित अकादमी के नोडल अधिकारी एलेक्जेंडर चेरियन और संस्था के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

युवोदय अकादमी का लाभ अब बस्तर के साथ अन्य जिलों के बच्चों को भी मिलने लगा-46485 परीक्षार्थियों में टोटल लगभग 1531 सीट के लिए आयोजित राज्य पी ए टी परीक्षा में तीसरे रेंक के साथ बकावंड के चंद्रकांत वर्मा ने बस्तर का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही युवोदय अकादमी जिला प्रशासन बस्तर जगदलपुर से कोचिंग ले रहे कई बच्चों का पीएटी में चयन हुआ है। जिसमे से श्रेया वर्धन, श्रेया शर्मा, भुनेश्वर चंद्रिका, सोनिया, साक्षी ने भी क्वालीफाई किए है।

कलेक्टर ने कहा कि बहुत ही कम समय में युवोदय अकादमी ने रिजल्ट देना शुरु कर दिया है। अब स्थानीय पालको की मांग भी सीट बढ़ाने हेतु हो रही है। जिस तरह से सरकारी शिक्षको के माध्यम से यह अकादमी चल रहा है वह बच्चो के कैरियर को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाएगा। जो बच्चे बाहर जाने में सक्षम नही है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 73.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 73.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 21 जून तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिलें में सर्वाधिक 163.5 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 27.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 41.5 मिमी, बलरामपुर में 30.9 मिमी, जशपुर में 33.6 मिमी, कोरिया में 53.6 मिमी, रायपुर में 50.3 मिमी, बलौदाबाजार में 92.6 मिमी, गरियाबंद में 79.7 मिमी, महासमुंद में 63.0 मिमी, धमतरी में 61.0 मिमी, बिलासपुर में 92.3 मिमी, मुंगेली में 129.8 मिमी, रायगढ़ में 70.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 138.4 मिमी, कोरबा में 86.1 मिमी, दुर्ग में 67.6 मिमी, कबीरधाम में 85.0 मिमी, राजनांदगांव में 81.3 मिमी, बालोद में 132.9 मिमी, बेमेतरा में 81.7 मिमी, बस्तर में 48.1 मिमी, कोण्डागांव में 42.7 मिमी, कांकेर में 53.8 मिमी, नारायणपुर में 41.9 मिमी, दंतेवाड़ा में 75.8 मिमी, सुकमा में 67.8 मिमी और बीजापुर में 75.7 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनावाने 32 हजार 474 आवेदन प्राप्त हुए

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार ने जिला कार्यालय के मीटिंग हॉल में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने राजीव आश्रय योजना सहित रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले माह लगाए गए राजस्व शिविरों में प्राप्त आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र के आवेदन की समीक्षा की। उन्होंने राजीव आश्रय योजना के सर्वेक्षण कार्य के उपरांत इसका शीघ्र प्रकाशन करने को कहा।

बैठक में बताया गया कि रायपुर जिले में आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनावाने के लिए 32 हजार 474 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 10157 आवेदन जाति प्रमाण पत्र, 12044 आवेदन आय प्रमाण पत्र तथा 10273 निवास प्रमाण पत्र के आवेदन है। 14775 आवेदन नगर निगम में जमा किए गए है। जिले में 4910 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके है। कलेक्टर ने इन स्वीकृत आवेदनों के आधार पर बनाए गए सभी प्रमाणपत्रों को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शीघ्र से शीघ्र वितरित कराने को कहा। बैठक में यह भी बताया गया कि राजीव आश्रय योजना के तहत जिले में 35038 परिवारों के संर्वेक्षण के अनुमानित लक्ष्य के विरूद्ध 32447 परिवारों का संर्वेक्षण हो गया है।

कृषि अनुसंधान में बाजार की आवश्यकताओं एवं किसानों की मांग को प्राथमिकता दें: डॉ. चंदेल

खरीफ 2022 की अनुसंधान एवं विस्तार कार्ययोजना को अंतिम स्वरूप दिया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा है कि वे स्थानीय परिस्थितियों, किसानों की मांग तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्य करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न फसलों की ऐसी नवीन किस्में विकसित की जानी चाहिए, जो अधिक उत्पादन और लाभ प्रदान करने वाली हों तथा किसानों की उम्मीदों पर खरी उतरें। डॉ. चंदेल कृषि विश्वविद्यालय के नॉलेज सेन्टर में आयोजित खरीफ 2022 की अनुसंधान एवं विस्तार कार्ययोजना की समीक्षा कर रहे थे। बैठक के दौरान खरीफ अनुसंधान एवं विस्तार कार्य योजना को अन्तिम स्वरूप दिया गया। बैठक में संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. पीके चन्द्राकर सहित वभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. चंदेल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के पुरानी किस्मों को प्रतिस्थापित कर आज की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली नई प्रजातियों को किसानों की बीच लोकप्रिय बनाना चाहिए। कृषि विश्वविद्यालय को नवीन विकसित तथा किसानों के मध्य प्रचलित प्रजातियों के बीच पर्याप्त मात्रा में तैयार कर उनका समुचित भण्डारण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान मनीला के साथ मिलकर धान की नवीन प्रजातियों के विकास के लिए संचालित स्पीड ब्रीडिंग कार्यक्रम में तेजी लाई जानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि विश्वविद्यालय में स्थापित फाईटोसेन्टरी लैब के माध्यम से छत्तीसगढ़ के किसानों को अपनी कृषि, उद्यानिकी एवं औषधीय फसलों के निर्यात के लिए आवश्यक जांच एवं प्रमाणीकरण की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) द्वारा कृषि विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला को कृषि एवं उद्यानिकी फसलों के निर्यात हेतु आवश्यक प्रमाणीकरण हेतु मान्यता प्रदान की गई है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के साथ भी लघु वनोपज एवं औषधीय फसलों की जांच एवं प्रमाणीकरण के लिए जल्द ही अनुबंध किया जाएगा। इससे छत्तीसगढ़ से कृषि, उद्यानिकी एवं औषधीय फसलों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी ने बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित 18 अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से पांच अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं, 42 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं सहित कुल 235 अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की जा रहीं है। विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात अब तक 47 फसलों की 160 किस्में विकसित की गई हैं, जिनमें मुख्यत: धान, गेहूँ, अरहर, चना, सोयाबीन, मूंग, उड़द, मटर, सब्जियों, फूलों एवं मसाला फसलों की किस्में हैं। इसके अलावा किसानों की अमदनी बढ़ाने 100 से अधिक किसानोपयोगी तकनीकों का विकास भी किया गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही अम्बिकापुर में भारत सरकार के सहयोग से समन्वित मधुमक्खी पालन केन्द्र की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही शहद परीक्षण प्रयोगशाला भी स्थापित की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, फसल सुधार, उद्यानिकी फसलों का विकास, कृषि अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी विकास, बीज उत्पादन एवं भण्डारण तथा कृषि विस्तार सेवाओं के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिये गये।

किसानों को अब तक 4.98 लाख मीटरिक टन रासायनिक खाद वितरित

बीते सीजन में 20 जून तक वितरित खाद से 2.66 लाख मीटरिक टन अधिक खाद का हुआ उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफ सीजन शुरू होते ही रासायनिक खादों के उठाव में तेजी आयी है। किसानों को अब तक 4.98 लाख मीटरिक टन से अधिक रासायनिक खाद का वितरण किया जा चुका है। यह आंकड़ा बीते खरीफसीजन में 20 जून तक वितरित 2.32 लाख मीटरिक टन उर्वरक की तुलना में 2.66 लाख अधिक है। डबल लॉक, सहकारी समितियों में आज की स्थिति में 2.03 लाख मीटरिक टन तथा निजी क्षेत्र में 2.11 लाख मीटरिक टन खाद आज की स्थिति में वितरण हेतु उपलब्ध है।

राज्य में चालू खरीफसीजन में 13.70 लाख मीटरिक टन रासायनिक उर्वरक के के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 9.13 लाख मीटरिक टन खाद भण्डारित है, जो कि लक्ष्य का 67 प्रतिशत है। सहकारी समितियों एवं निजी क्षेत्रों के माध्यम से किसानों को अब तक 4.98 लाख मीटरिक टन खाद का वितरण किया गया है, जो कि भण्डारण की मात्रा का मात्र 55 फीसद है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज की स्थिति में 4.15 लाख मीटरिक टन खाद वितरण हेतु उपलब्ध है, जिसमें मार्कफेड एवं सहकारी समिति के पास 2.03 लाख तथा निजी क्षेत्र में 2.11 लाख मीटरिक टन रासायनिक उर्वरक भण्डारित है। खरीफसीजन 2021 में राज्य में 20 जून की अवधि में किसानों द्वारा मात्र 2.32 लाख मीटरिक टन खाद का उठाव किया गया था, जबकि इस साल 20 जून तक 4.98 लाख मीटरिक टन खाद का उठाव किसान कर चुके है।

अपर संचालक कृषि एसी पदम ने बताया कि आज की स्थिति में 2 लाख 16 हजार 247 मीटरिक टन यूरिया, 46 हजार 587 मीटरिक टन डीएपी, 33 हजार 854 मीटरिक टन एनपीके, 25 हजार 759 मीटरिक टन पोटाश, 92 हजार 687 मीटरिक टन सुपर फॉस्फेट भण्डारित है। उन्होंने बताया कि राज्य में रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। चालू खरीफसीजन के लिए भारत सरकार द्वारा 13 लाख 70 हजार मीटरिक टन उर्वरक की आपूर्ति की स्वीकृति दी गई है, जिसके विरूद्ध आज पर्यन्त तक मात्र 5 लाख 88 हजार 73 मीटरिक टन रासायनिक उर्वरक की आपूर्ति की गई है। इसमें यूरिया 3 लाख 19 हजार 562 मीटरिक टन, डीएपी एक लाख 47 हजार 956 मीटरिक टन, एनपीके 29 हजार 885 मीटरिक टन, पोटाश 32 हजार 677 मीटरिक टन, सुपर फॉस्फेट 57 हजार 993 सुपर फॉस्फेट शामिल है।

गौठानों में मुर्गीपालन और बकरीपालन की हैं व्यापक संभावनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के अनेक गौठानों में स्वसहायता समूह सदस्यों को मुर्गीपालन के माध्यम से लगभग 2.5 से 3 लाख की आमदनी हो चुकी है। मुर्गी पालन की निरंतरता के लिये अंडे से चूजा उत्पादन की कार्ययोजना पर बल दिया जा रहा है। इसी छत्तीसगढ़ राज्य में बकरीपालन की व्यापक संभावनाएं हैं और काफी मांग है। इस मांग और संभावनाओं को देखते हुए अनेक गौठानों में बकरी पालन के माध्यम से लगभग 6 से 7 लाख की आमदनी हो चुकी है।

संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा विभाग, रायपुर डॉ. शंकरलाल उइके ने बताया कि जिले के 19 पशु चिकित्सालय, 3 कृत्रिम गर्भाधान केंद्र, 35 पशु औषधालय, 35 कृत्रिम गर्भाधान उपकेंद्र की साफ-सफाई एवं रखरखाव तथा राज्य शासन के पशु चिकित्सा विभाग के 22 बिंदुओं के निर्देश के परिपालन का कार्य किया जा रहा है। यहां विभागीय गतिविधियों जैसे पशु उपचार, बधियाकरण, टीकाकरण, नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा पशुपालकों को लाभ दिलाने का प्रयास है। कोई भी पशुपालक वर्तमान इन चिकित्सालयों एवं केन्द्रों का सुबह 7 से 11 बजे एवं शाम को 5 से 6 बजे तक लाभ ले सकता है।

उन्होंने बताया कि जिले में अधिकारी एवं कर्मचारियों के व्यापक प्रयासों से विभागीय योजनाओं के लक्ष्यों में संतोषजनक प्राप्ति की गई है। योजना के अनुशीलन पंजी संधारण से अनुशीलन, अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन में आशातीत सफलता प्राप्त हुई है। यही कारण है कि वर्ष 2021-22 के तुलना में वर्ष 2022-23 की अवधि में पशु उपचार में 103 प्रतिशत, औषधि वितरण में 242 प्रतिशत, टीकाकरण में 25 गुना, कृत्रिम गर्भाधान में 229 प्रतिशत, बधियाकरण में 600 प्रतिशत, शल्य क्रिया में 511 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि संस्थाओं की साफ-सफाई, रखरखाव, अनुपयोगी सामग्रीयों के अपलेखन हेतु लगातार कार्य किया गया है। इसी कड़ी में संयुक्त संचालक मंडी गेट पंडरी में वर्षों से क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवाल का निर्माण किया गया है। इससे शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को रोका जाना संभव हुआ है।

योग को दैनिक जीवन में शामिल करें- डॉ. किरणमयी नायक

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ.नायक ने योगाभ्यास कार्यक्रम का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जशपुर जिला मुख्यालय के रणजीता स्टेडियम में जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी लोगों को अपने नियमित दिनचर्या में योग को शामिल करने का आग्रह किया। इस अवसर जिला पंचायत अध्यक्ष रायमुनी भगत, कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल, स्कूली बच्चे, शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में आम नागरिकगण उपस्थित थे।

डॉ. नायक ने कहा कि योग से हमारा शरीर और मन स्वस्थ रहता है। प्रतिदिन योग करने से हमारी बहुत सारी बीमारियां दूर होती हैं। हमारे जीवन पर योग का विशेष प्रभाव पड़ता है। हमारे सोचने, समझने की शक्ति इससे विकसित होती है। योग से सही निर्णय लेने की क्षमता आती है, हमारा मन शांत रहता है और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

खाद बीज की उपलब्धता की व्यवस्था सुनिश्चित करे-मंत्री डॉ. टेकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने सूरजपुर के कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में सहकारिता विभाग के अधिकारियों से बीज खाद की उपलब्धता की जानकारी ली और कहा कि बुवाई का समय है किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर पर्याप्त खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंत्री डॉ. टेकाम ने बैठक में संचालित हो रहे स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह शासन की महत्वपूर्ण योजना है, लोगों द्वारा इसका बेहतर रुझान मिल रहा है। पालकों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री ने आगामी दिनों में जरूरत अनुसार स्कूलों की संख्या में वृद्धि किए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन बच्चों के भविष्य को लेकर शिक्षा की गुणवत्ता में किसी प्रकार की समझौता नहीं करेगी। उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूलों में छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया समय अवधि में शीघ्र पूर्ण करने निर्देश दिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को गणवेश वितरण, पाठ्य सामग्री का वितरण करने एवं बेहतर रिजल्ट के लिए कार्य योजना बनाकर अध्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्रम छात्रावासों में पानी की उपलब्धता, शौचालय, भवन की स्थिति की जानकारी ली एवं व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री डॉ. टेकाम ने स्वास्थ्य विभाग को बारिश के मौसम में सभी प्रकार की दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गोधन न्याय योजना एवं आजीविका संवर्धन की जानकारी ली। मंत्री डॉ. टेकाम ने नरवा विकास, कुपोषण की समीक्षा, पौधरोपण की समीक्षा, बाड़ी विकास कार्यक्रम, राजस्व मामलों की जानकारी, वर्मी कम्पोस्ट का प्रचार-प्रसार, सोसाइटियों में वर्मी कम्पोस्ट एवं रसायनिक खाद उपलब्ध कराने, जिले की सड़कों के निर्माण कार्यों में प्रगति लाने, पानी की व्यवस्था, जलजीवन मिशन, सी-मार्ट के संबंध में जानकारी ली। बैठक में संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा, सीईओ जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम, संयुक्त कलेक्टर शिव बनर्जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर, एसडीएम सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

जीन्स
टी-शर्ट
शर्ट
ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

48 के हुए विजय: मां 100 रुपए कमाती तब मिल पाता था खाना, पहली फिल्म के मिले 500 रुपए अब एक फिल्म के 100 करोड़ करते हैं चार्ज

आज साउथ सुपरस्टार थलापति विजय 48 साल के हो चुके हैं। विजय साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार हैं उन्होंने बीस्ट, मास्टर जैसी कई सुपरहिट फिल्में की हैं। आज के समय में इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर्स में से एक विजय को अपनी पहली फिल्म के लिए 500 रुपए मिले थे। विजय ने 10 साल की उम्र में वेत्री फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। जिसके बाद उन्होंने 18 साल की उम्र में लीड एक्टर के तौर पर फिल्म नालया थीरपू से लीड एक्टर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। विजय ने अबतक लगभग 65 फिल्में बतौर लीड की हैं। विजय का नाम कई बार फोर्ब्स की लिस्ट में भी शामिल हो चुका है। तो चलिए साउथ सिनेमा के इस सुपरस्टार के बर्थडे के मौके पर जानते हैं इनका अबतक का सफर।

गरीबी में गुजरा बचपन

जोसेफ विजय चंद्रशेखर का जन्म 22 जून 1974 को मद्रास में हुआ था। उनके पिता एस. ए. चंद्रशेखर तमिल फिल्म डायरेक्टर थे जबकि उनकी मां शोभा चंद्रशेखर प्लेबैक सिंगर थीं। लेकिन पिता के फिल्म डायरेक्टर होने के बाद भी विजय ने एक दौर ऐसा भी देखा जब उनकी मां शोभा प्लेबैक सिंगिग से रोज 100 रुपए कमाकर लाती थीं जिससे उनके परिवार का खर्च चलता था। जिस दिन उनकी मां को काम नहीं मिलता उस दिन विजय के परिवार को भूखा सोना पड़ता था। एक दिन विजय की दुनिया तब बदल गई जब 2 साल की उम्र में उनकी बहन विद्या की मौत हो गई। विजय की मां के अनुसार विजय बचपन में काफी एक्टिव रहते थे और शरारतें किया करते थे लेकिन उनकी बहन विद्या की मौत के बाद विजय गुमसुम और उदास रहने लगे थे।

पहली फिल्म से मिले 500 रुपए

विजय के करियर की शुरुआत 10 साल की उम्र में 1984 में आई फिल्म वैत्री से हुई थी। इस फिल्म में विजय ने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया था जिसके लिए उन्हें 500 रुपए फीस के तौर पर दिए गए थे। इसके बाद उन्होंने चाइल्ड एक्टर के तौर पर कई फिल्मों में काम किया।

18 साल की उम्र में मिला पहला लीड रोल

विजय को उनके पिता द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म नालैय्या थिरपु में पहली बार लीड एक्टर के तौर पर काम करने का मौका मिला। इस फिल्म के डायरेक्टर उनके पिता ही थे। ये फिल्म 1992 में रिलीज हुई थी जो ज्यादा नहीं चली। फिर 1992 में उनकी फिल्म सेंधूरापंडी रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी खासी कमाई की। लेकिन उन्हें पहली सक्सेस 1994 में आई फिल्म रसिगन से मिली। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी खासी कमाई की। इस फिल्म से विजय को पॉपुलैरिटी भी मिली। इस फिल्म के बाद विजय ने कई हिट फिल्में दीं।

फैन से की शादी

विजय चेन्नई में अपनी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। संगीता यूके में रहतीं थीं और विजय की बहुत बड़ी फैन थीं। एक दिन संगीता विजय से मिलने उनके सेट पर पहुंच गईं और उनकी आने वाली फिल्म के लिए उन्हें बधाई दी। दोनों ने अपना फोन नम्बर एक दूसरे से शेयर किया और दोनों की लंबी बातें चलने लगीं। लगभग 3 सालों तक दोनों एक-दूसरे को डेट करते रहे। जिसके बाद एक दिन विजय के पिता ने संगीता को अपने घर बुलाया और विजय से शादी करने का प्रस्ताव रख दिया। फिर क्या था संगीता ने हां कर दी। संगीता के पिता एक तमिल बिजनेसमैन थे वो भी इस शादी के लिए मान गए। ऐसे में दोनों का धर्म अलग होने से ये तय करना मुश्किल हो रहा था कि शादी किस धर्म से की जाए। तब विजय ने फैसला किया कि संगीता हिंदू धर्म मानती हैं तो वो हिंदू धर्म के अनुसार ही शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों ने 25 अगस्त 1999 को शादी कर ली। फिलहाल दोनों के दो बच्चे हैं।

100 करोड़ फीस लेकर रजनीकांत को छोड़ा पीछे

विजय सबसे ज्यादा फीस लेने वाले तमिल एक्टर हैं। उन्होंने फिल्म थलापति 65 के लिए 100 करोड़ फीस चार्ज करके फीस के मामले में सुपरस्टार रजनीकांत को भी पीछे छोड़ दिया है। बता दें कि रजनीकांत ने फिल्म दरबार के लिए 90 करोड़ फीस चार्ज की थी।

65 फिल्मों में किया काम

थलापति विजय ने अबतक 65 फिल्मों में काम किया है जिसमें से उनकी अधिकतर फिल्में हिट रही हैं। कत्थी, मास्टर, थेरी जैसी फिल्मों को उनकी बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है।

420 करोड़ रुपए है नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार थलापति विजय की नेटवर्थ 420 करोड़ है। विजय लग्जरी लाइफजीते हैं। विजय की सालाना कमाई 100 से 120 करोड़ तक है। वो कई बड़ी कंपनियों के ऐड करते हैं। उनके पास कई लग्जरी गाड़ियों का कलेक्शन है। एक्टर अपनी फैमिली के साथ अपने चेन्नई स्थित बंगले में रहते हैं।

नार्थ ईस्ट का बॉलीवुड कनेक्शन

डैनी डेन्जोंगपा से लेकर पत्रलेखा तक बॉलीवुड में नॉर्थ ईस्ट से आए हैं ये एक्टर्स

नॉर्थ ईस्ट से आने वाले एक्टर्स को कभी बॉलीवुड में वो जगह और पॉपुलैरिटी नहीं मिली जो सेलेब्स को आमतौर पर मिलती है। नेटफ्लिक्स की फिल्म एक्सोन में इसे काफी अच्छे से दिखाया भी गया है। लेकिन जब नॉर्थ ईस्ट की बॉक्सर मैरी कॉम पर फिल्म बनाने की बात हुई तब बिना किसी भेदभाव को सोचे मैरी कॉम पर ये फिल्म बना ली गई। हाल ही में आई फिल्म अनेक में भी नॉर्थ ईस्ट के लोगों को होने वाली परेशानियों को भी काफी अच्छे से दिखाया गया है।

हालांकि, अब धीरे-धीरे बॉलीवुड में ट्रेंड बदल रहा है और बॉलीवुड में नॉर्थ ईस्ट एक्टर्स को भी जगह मिलने लगी है। तो चलिए आज जानते हैं नॉर्थ ईस्ट से आए बॉलीवुड एक्टर्स के बारे में।

डैनी डेन्जोंगपा

बॉलीवुड में निगेटिव रोल की बात की जाए तो डैनी डेन्जोंगपा का नाम जरूर जुबां पर आ जाता है। अपनी बुलंद आवाज और जबरदस्त एक्टिंग से उन्होंने लोगों के दिलों को जीता है। डैनी डेन्जोंगपा ने निगेटिव रोल के साथ पॉजिटिव रोल भी किए हैं। डैनी 80 से 90 के दशक तक मशहूर विलेन रहे। उन्होंने पापी, बंदिश और द बर्निंग ट्रेन जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। डैनी डेन्जोंगपा सिक्किम के गैंगटोक से आते हैं। वो हाल ही में आई फिल्म मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी में भी नजर आए थे। डैनी को भारत के सर्वोच्च सम्मान पद्मश्री से भी नवाजा जा चुका है। फिलहाल डैनी सिक्किम में रहते हैं और वहीं से अपनी बीयर कंपनी मैनेज करते हैं।

एंड्रिया केविचुसा

एंड्रिया पेशे से एक मॉडल हैं, उन्होंने 15 साल की उम्र से ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एंड्रिया ने सब्यसाची, के ब्यूटी बॉय कटरीना जैसे बहुत से वेंचर में काम भी किया है। अगर हम एंड्रिया की सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 132हजार फॉलोवर्स हैं। एंड्रिया ने हाल ही में आई फिल्म अनेक से बॉलीवुड डेब्यू किया है।

पत्रलेखा

पत्रलेखा शिलांग से हैं और साथ ही साथ वो फेमस एक्टर राजकुमार राव की पत्नी हैं। पत्रलेखा बतौर एक्ट्रेस भी काफी अच्छी हैं उन्होंने फिल्म सिटीलाइट्स और लव गेम्स में काम किया है जिसके लिए उनकी काफी तारीफें भी हुईं। फिलहाल पत्रलेखा के पास 3 फिल्मों के प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें वो व्यस्त हैं।

चुम दरांग

चुम अरुणाचल प्रदेश से आती हैं। इनके करियर की शुरुआत मॉडलिंग से हुई थी। चुम ने इसी साल रिलीज हुई फिल्म बधाई दो से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की है। ये फिल्म समलैंगिकता पर आधारित थी जिसमें चुंग ने भूमि पेडनेकर के पार्टनर की भूमिका निभाई थी। चुम के इंस्टाग्राम पर 105द्म फॉलोअर्स हैं।

आदिल हुसैन

बॉलीवुड में आदिल ने बंगाली फिल्म इती श्रीकांता से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। इस फिल्म में आदिल के अपोजिट सोहा अली खान थीं। इसके बाद 2009 में आई फिल्म कमीने से उनकी बॉलीवुड में एंट्री हुई। इस फिल्म में आदिल ने कैमियो रोल किया था। आदिल लाइफऑफपाई और इंग्लिश विंग्लिश जैसी फिल्मों में नजर आए हैं। आदिल गोलपारा के रहने वाले हैं उन्होंने 18 साल की उम्र में अपना घर छोड़ दिया था। आदिल ने एक्टिंग के साथ-साथ स्टैंडअप कॉमेडियन का भी काम किया है।

दीपानिता शर्मा

दीपानिता असम की रहने वाली हैं। दीपानिता 1998 में मिस इंडिया कॉन्टेस्ट के फाइनल फाइव में आकर लाइम लाइट में आई थीं। उन्होंने लेडीज वर्सेज रिकी बहल, पिज्जा जैसी बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में काम किया है। दीपानिता MTV के शो लाइफनहीं है लड्डू में लीड रोल निभा चुकी हैं। साथ ही दीपानिता ने कई पॉपुलर ब्रॉन्ड्स के लिए रैम्प वॉक भी किया है।

लिन लेशराम

लिन इंडियन मॉडल, एक्ट्रेस और बिजनेसवुमन हैं जो मणिपुर से आती हैं। लिन ने फिल्म मैरीकॉम के लीड रोल के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन ये रोल प्रियंका चोपड़ा को ऑफर किया गया और इस फिल्म में लिन ने मैरी कॉम की सहेली का रोल प्ले किया। लिन ने फिल्म ओम शांति ओम से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। जिसके बाद रंगून और उमरिया जैसी फिल्मों में भी नजर आईं।

गीतांजलि थापा

गीतांजलि सिक्किम की रहने वाली हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। गीतांजलि एक नेशनल अवॉर्ड एक्ट्रेस हैं। उन्हें फिल्म लियर्स डाइस में बेहतरीन एक्टिंग के लिए 2013 में नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। उन्होंने फिल्म टीना की छाबी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने फिल्म ट्रैप्ड और बॉयोस्कोपवाला में भी काम किया।

बिजौ थांगजाम

बिजौ इम्फाल के रहने वाले हैं। बिजो पेशे से एक्टर, सिंगर और आर्ट डायरेक्टर हैं। अगर आपने यूट्यूब की फेमस सीरीज एस्पिरेंट्स देखी है, तो इसमें आपने बिजौ को जरूर देखा होगा। बिजौ ने 'जामुन', 'पेनल्टी', '1962: द वॉर इन द हिल्स' में भी काम किया है।

मैरेम्बम रोनाल्डो सिंह

मणिपुर में जन्मी मैरेम्बम न सिर्फ नॉर्थ ईस्ट इंडिया बल्कि ट्रांसजेंडर कम्यूनिटी को भी रिप्रजेंट करती हैं। मैरेम्बम ने वेब सीरीज पाताल लोक से एक्टिंग डेब्यू किया था। इस सिरीज में उन्होंने एक चीनी ट्रांसजेंडर लड़की का रोल प्ले किया था जिसके माध्यम से उन्होंने समाज में ट्रांसजेंडर्स को होने वाली सम्स्याओं को सबके सामने प्रस्तुत किया था।

रिएक्शन:'पुष्पा-2' में रश्मिका मंदाना के किरदार 'श्रीवल्ली' की हो जाएगी मौत? इन अफवाहों पर अब प्रोड्यूसर ने तोड़ी चुप्पी

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा: द रूल' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से खबरें आ रही हैं कि 'पुष्पा-2' में रश्मिका मंदाना के किरदार 'श्रीवल्ली' की मौत हो जाएगी। अब इन खबरों पर 'पुष्पा' के प्रोड्यूसर वाय. रवि शंकर का रिएक्शन सामने आया है।

पिंकविला से बातचीत में वाय. रवि शंकर ने इन खबरों को बकवास बताते हुए कहा, अब तक हमने कहानी को निष्पक्ष और स्पष्ट रूप से नहीं सुना है, इसलिए ऐसा नहीं है और ये सब अटकलें हैं। इस समय फिल्म के बारे में कोई कुछ भी लिख रहा है। हालांकि, इसके बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं है और इसलिए वे उस पर विश्वास कर लेते हैं। इन फर्जी अफवाहों को कई वेबसाइटों और टीवी चैनलों द्वारा प्रसारित भी किया जा रहा है, लेकिन इस तरह की सारी खबरें झूठी हैं।

रश्मिका का किरदार 'पार्ट 2' में जिंदा रहेगा?

रश्मिका का किरदार 'पार्ट 2' में जिंदा रहेगा? इस सवाल पर रवि शंकर ने कहा, हां हां, जरूर। फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी? इस सवाल पर फिल्ममेकर ने कहा, शायद अगस्त के पहले

सप्ताह में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी। हम अभी शूटिंग के लिए तैयारियां कर रहे हैं।

अल्लू ने 'पुष्पा 2' के लिए जाहिर की थी एक्साइटमेंट इससे पहले हाल ही में पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा 2' के लिए अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, वास्तव में मैं बहुत एक्साइटेड हूं। मैं इसे शूट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे विश्वास है कि हम फिल्म के दूसरे पार्ट में बहुत कुछ दे सकते हैं। पार्ट-1 से हमने एक बेस सेट किया है और हमारे पास दूसरे पार्ट में अपना बेस्ट का पता लगाने का एक अद्भुत अवसर है। हम सभी अपना बेस्ट देने के लिए एक मानसिकता के साथ दूसरे पार्ट के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स 'पुष्पा-2' को 400 करोड़ रुपए से ज्यादा के बिग बजट में बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। फिल्म का यह बजट पहले पार्ट के बजट से 2 गुना ज्यादा है। 'पुष्पा: द राइज' को करीब 195 करोड़ रुपए के बजट में बनाया गया था।

पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी 'पुष्पा: द राइज'

बता दें कि पिछले साल 17 दिसंबर को रिलीज हुई 'पुष्पा: द राइज' में अल्लू अर्जुन 'पुष्पराज' और रश्मिका मंदाना 'श्रीवल्ली' के किरदार में नजर आईं थीं। सुकुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में इन दोनों के अलावा फहाद फाजिल, सुनील, सामंथा रुथ प्रभु, प्रकाश राज, अजय घोष समेत कई स्टार्स लीड रोल में नजर आए थे। इस फिल्म को फैंस ने काफी पसंद किया था।

फिल्म के हिंदी वर्जन ने कमाए थे 110 करोड़

फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज किया गया था। इस फिल्म के हिंदी वर्जन ने लगभग 110 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था। अब फैंस को फिल्म के दूसरे पार्ट 'पुष्पा: द रूल' का बेसब्री से इंतजार है।

केरल हाइकोर्ट ने यौन उत्पीड़न के मामले में विजय बाबू को दी अग्रिम जमानत, इस दिन दर्ज हुआ था मामला

केरल हाइकोर्ट ने मलयालम अभिनेता-निर्माता विजय बाबू को उनके खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न मामले में एक बार फिर अग्रिम जमानत दे दी है। बता दें कि 22 अप्रैल 2022 को अभिनेता के खिलाफ एक एक्ट्रेस ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें एक्टर पर आरोप लगाया गया कि अपनी फिल्मों में रोल देने का वादा करके उसका यौन शोषण किया गया और साथ ही ड्रग्स लेने के लिए मजबूर किया गया।

देश छोड़कर भाग गए थे विजय बाबू

गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर शिकायतकर्ता की पहचान और नाम उजागर करने को लेकर पुलिस ने विजय बाबू के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया था। बता दें कि कोच्चि शहर की पुलिस द्वारा अपने खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद विजय बाबू गिरफ्तारी

के डर से देश छोड़कर भाग गए थे। इसके बाद हाईकोर्ट की ओर से गिरफ्तारी से प्रोटेक्शन प्रदान किए जाने के बाद वह मई के अंतिम सप्ताह में कोच्चि लौटे।

वियय बाबू ने दी थी दलील

विजय बाबू को जब पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश किया गया तो उन्होंने कहा था कि उनके संबंध अभिनेत्री से सहमति के आधार पर थे। विजय बाबू ने आरोप लगाया कि अभिनेत्री ने उनकी फिल्मों में रोल न मिलने की वजह से उन पर यह आरोप लगाए हैं। इससे पहले अग्रिम जमानत की मांग करते हुए विजय बाबू ने अपने तर्क को साबित करने के लिए सोशल मीडिया चैट का विवरण पेश किया था।बता दें कि अभिनेत्री द्वारा विजय बाबू पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के बाद 27 अप्रैल को कोच्चि शहर की पुलिस ने उनके खिलाफमामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होने के कुछ ही घंटे बाद विजय बाबू ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के नाम का खुलासा किया था और दावा किया था कि असली शिकार वह हैं। इस मामले में विजय बाबू ने अग्रिम जमानत के लिए केरल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। विजय बाबू ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए, उनके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले विजय बाबू ने 01 जून को कोच्चि आकर कहा था कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। मामले की जांच में पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

निगम के टैक्सेशन का दायरा बढ़ाया जाए, संधारण के लिए मिले अतिरिक्त राशि

दुर्ग। वित्त आयोग की आज की बैठक संभाग के नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष सरजियस मिंज ने की। इस दौरान संभागायुक्त महादेव कावरे भी मौजूद रहे। बैठक में नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव आयोग को दिये। निकायों के प्रतिनिधियों ने कहा कि नगरीय निकाय बेहतर वित्तीय व्यवस्था होने पर ज्यादा नागरिक सुविधाएं दे सकते हैं। इसके लिए नगरीय निकायों को ऐसे अवसर देने होंगे जिससे उनके अतिरिक्त आय में वृद्धि हो सके। प्रतिनिधियों ने बताया कि निगम की बड़ी राशि स्थापना व्यय में खर्च हो जाती है और विकास के लिए तथा नवाचारों के लिए काफी कम राशि बचती है। इसके लिए दो रास्ते हैं जिन करों की वसूली के लिए पहले निगम को अधिकार था उन्हें पुन: दिया जाए अथवा इसकी क्षतिपूर्ति दी जाए।

योग से तन मन संबंध सभी स्वस्थ रहते हैं व संसार सुखमय बन जाता है : रीटा बहन

दुर्ग। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ब्रह्माकुमारीज के बघेरा स्थित आनंद सरोवर मे हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य रुप से रत्ना नारमदेव (एल्डरमैन नगर निगम दुर्ग) डॉ अजय गोवर्धन, विनोद जैन, मदन सोनी, किशोर जैन ब्रह्माकुमारी रीटा बहन, चैतन्य प्रभा बहन उपस्थित थे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्रह्माकुमारी रीटा बहन ने बताया जैसा कि नाम ही है अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिसका उद्देश्य सभी जन को स्वस्थ जीवन प्रदान करना है। शारिरिक, मानसिक, अध्यात्मिक, समाजिक स्वास्थ्य सब हो तो इसे ही संपूर्ण स्वास्थ्य कहा जायेगा। योग अर्थात् कनेक्शन, संबंध या जोड़ है सबसे पहला कनेक्शन शरीर से है इसलिए माइंड बॉडी कहते है दूसरा है अपने रिश्तेदारों से तीसरा प्रकृति से है। चौथा है जगत नियंता निराकार परमपिता परमात्मा शिव के साथ वो हमें प्रजापिता बृह्मा के माध्यम से राजयोग सिखा रहे है। रत्ना नारमदेव ने योग दिवस परअपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ओम शांति बोलने से मन शान्त हो जाता है वास्तव में हम इन सब बातों से दूर हो गये है किन्तु योग हमारी पुरानी परम्परा है।

गांव का सर्वांगीण एवं चहुंमुखी विकास करना ही हमारा उद्देश्य-ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गावों में भी विभिन्न विकास कार्यों के सौगात क्षेत्र के विधायक व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने की और इसके साथ जनसंपर्क कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र की जनता की समस्याओं को भी सुना।

करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात लेकर अपने विधानसभा क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण की जनता के बीच पहुंच कर विधायक ताम्रध्वज साहू ने विभिन्न गावों में अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। गांव की

जनता की विभिन्न मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बोरिगरका में 13 लाख,ग्राम कतरो में 25 लाख,ग्राम घुघुसिडीह में 26 लाख ,ग्राम मंचादुर में 1 करोड़ ,ग्राम चिरपोटी में 25 लाख, ग्राम मतवारी में 15 लाख,ग्राम रिसामा में 25 लाख एवं ग्राम अंडा में 25 लाख कार्यों का भूमिपूजन लोकार्पण मंत्री जी द्वारा किया गया।

गांवो में लाखों के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान करने के साथ ही त्वरित रूप से लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित कर गावों की जनता के बीच पहुंचे और उनकी विभिन्न समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण का प्रयास भी किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान विधायक ताम्रध्वज साहू ने ग्राम मंचादुर में शाला प्रवेश उत्सव में स्कूली बच्चों को तिलक लगाकर एवं पुस्तक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष शालनी यादव,विशेष अतिथि महामंत्री प्रदेश कांग्रेस कमेटी जितेंद्र साहू, कृषि सभापति जिला पंचायत दुर्ग योगिता चंद्राकर,अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग देवेंद्र देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष झमित गायकवाड़, विधायक प्रतिनिधि केशव बँटी हरमुख, वरिष्ट कांग्रेसी भीषम हिरवानी, भरत चन्द्राकर, सहकारिता प्रकोष्ट के अध्यक्ष रिवेंद्र यादव, किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष पुकेश चन्द्राकर, जनपद सदस्य डोमन भारती, लेखन साहू,मनीष चन्द्राकर, विधायक प्रतिनिधि डॉ पिलेश्वर साहू, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव जामवंत ग़जपाल, ब्लॉक कांग्रेस चाँद खान,ताम्रध्वज सिन्हा,सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

आयोजन को सफ्ल बनाने में जुटे सरपँच गूँजेश्वरी साहू,ग्राम क़ातरो सरपँच मंजू यदु, घुघुसिडीह सरपँच गोवर्धन बारले,सरपँच मंचादुर दिलीप साहू,सरपँच मतवारी केशरी बाई साहू,सरपँच रिसामा गीता महानंद, सरपँच अंडा उमादेवी चन्द्राकर, सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ ग्रामीण जनों सहयोग रहा।

विजेंदर सिंह सहित अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर मुक्केबाजों के होंगे मुकाबले

छत्तीसगढ़ में पहली बार होगी प्रोफेशनल बॉक्सिंग इवेंट रंबल इन द जंगल

श्रीकंचनपथ न्यूज

आयोजन की सहमति के लिए विजेंदर सिंह ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से 'रंबल इन द जंगल' नाम के इवेंट के साथ प्रोफेशनल बॉक्सिंग पहली बार रायपुर पहुंचेगी। यह आयोजन अगस्त में होने वाला है और इसमें अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर मुक्केबाज और ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर सिंह शामिल होंगे।

विजेंदर सिंह छत्तीसगढ़ में इस आयोजन को लेकर काफी उत्सुक हैं। वे कहते हैं कि ''मैं रायपुर शहर में अपना अगला पेशेवर मुकाबला आयोजित करने की सहमति देने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का बहुत आभारी हूं।

यह इवेंट छत्तीसगढ़ के लोगों को इस खेल से परिचित कराने का एक शानदार अवसर है। उम्मीद है कि इससे

नई पीढ़ी के युवा मुक्केबाजों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।'' विजेंदर सिंह ने बताया कि वे वर्तमान में मैनचेस्टर में प्रशिक्षण ले रहे हैं और इस अगस्त में फिर से नई शुरूआत के लिए काफी उत्सुक हैं। गौरतलब है कि विजेंदर सिंह ने 8 जून को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में बॉक्सिंग के खेल को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया था और उनसे छत्तीसगढ़ में प्रोफेशनल बॉक्सिंग इवेंट कराने का आग्रह किया था, जिस पर मुख्यमंत्री ने सहमति दी थी। विजेंदर सिंह वर्ष 2008 में ओलंपिक का कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज हैं। वे वर्ष 2015 में पेशेवर मुक्केबाज बने विजेंदर सिंह ने 8 नॉकआउट सहित 12 मुकाबले जीते हैं, एक मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

दुर्भाग्य से 12 मुकाबले जीतने के बाद उनकी जीत का सिलसिला गोवा में उनके आखिरी मुकाबले में टूट गया था। ''रंबल इन द जंगल'' भारत में उनके पेशेवर मुक्केबाजी करियर के दौरान उनका छठा मुकाबला होगा। इस इवेंट का आयोजन पर्पल गोट स्पोर्टेनमेंट एलएलपी द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कहना है कि वर्तमान और अगली पीढ़ी के लिए खेलों को बढ़ावा देना छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विजेंदर सिंह के कद का कोई व्यक्ति, जिसने ओलंपिक में देश को गौरवान्वित किया है, उनका आना पूरे राज्य में युवा एथलीटों को प्रेरित करेगा। यह प्रो-बॉक्सिंग इवेंट बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर में आयोजित की जाएगी। जिसमें विजेंदर सिंह के मुकाबले (हेडलाइन बाउट) के साथ अन्य अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर मुक्केबाजों के मुकाबले भी होंगे।

साई कॉलेज सेक्टर 6 भिलाई में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग सभी के लिए कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साई कॉलेज सेक्टर 6 भिलाई में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग सभी के लिए का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साईं कॉलेज डिप्टी डायरेक्टर डॉ ममता सिंह व प्रिंसिपल साई कॉलेज डॉ डी बी तिवारी के द्वारा की गई ।कार्यक्रम में साईं कॉलेज एनएसएस इकाई के छात्र व कॉलेज के सभी प्राध्यापकों ने अपना योगदान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आठवां संस्करण था । 2022 योग दिवस की थीम है मानवता के लिए योग योग हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है और इसकी महत्ता हमें करोना महामारी के समय समझ में आ गई कि हम योग के द्वारा ना केवल शारीरिक अथवा मानसिक रूप से भी खुद को स्वस्थ रख सकते हैं व कठिन परिस्थिति में भी मुश्किलों का सामना कर सकते हैं।

कॉलेज की डिप्टी डायरेक्टर डॉ ममता सिंह के द्वारा सभी प्राध्यापकों को योग का अभ्यास कराया गया । एमएससी कंप्यूटर साइंस की कुमारी भामा लोधी , कुमारी प्राची ने सभी को कुछ ऐसी योग मुद्राएं बताई जिसके द्वारा हम रक्त के थक्के जो कि हमारी रक्त वाहिनी में जम जाते हैं उससे निजात पा सकते हैं। सभी प्राध्यापकों व छात्र छात्राओं ने इस योग शिविर का भरपूर लाभ उठाया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : स्वस्थ शरीर एवं संयमित जीवन के लिए योग का विशेष महत्व है- महंत रामसुंदर दास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज यहां रायपुर के दूधाधारी मठ परिसर में छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. महंत रामसुंदर दास के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। 'मानवता के लिए योग' की थीम पर आधारित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम रायपुर के सभापति श्री प्रमोद दुबे शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत राजगीत से हुई। स्कूली छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, नेहरू युवा केंद्र के पदाधिकारी एवं आम नागरिक बड़ी संख्या में योगाभ्यास में शामिल हुए।

मानवता के लिए योग

डॉ. महंत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर एवं संयमित जीवन के लिए योग का विशेष महत्व है। योग से शारीरिक एवं मानसिक क्षमता में वृद्धि होती है। श्री प्रमोद दुबे ने कहा कि योग के माध्यम से हम शारीरिक व्याधियों को दूर कर सकते हैं, हमें योग्य प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में नियमित योगाभ्यास करना चाहिए।

छात्र-छात्राओं को नियमित योगाभ्यास

कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा सामने की ओर झुक कर करने वाले आसन जैसे पश्चिमोत्तानासन, पादहस्तासन, पीछे झुककर किए जाने वाले आसन चक्रासन, बैठकर किए जाने वाले आसन पद्मासन, लेट के किए जाने वाले आसन मकरासन, खड़े होकर किए जाने वाले आसन ताड़ासन, वृक्षासन सहित अन्य आसनों का अभ्यास योग प्रोटोकॉल के अनुसार कराया गया। योग प्रशिक्षकों ने योग के महत्व , उसकी उपयोगिता एवं सावधानी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह भी बताया गया कि योग मानसिक शांति के लिए कितना आवश्यक है।

समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री भूपेंद्र पांडे ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग द्वारा योग का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में योग आयोग के प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारी व बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

महिला समूह ने बनाया आम का स्वादिष्ट अचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । गौठान समूह से जुड़ी महिला समूह के लिए यह सीजन अच्छी खबर लेकर आया है। आम के सीजन को देखते हुए व्यापक रूप से आम अचार का उत्पादन किया जा रहा है। जिले भर में स्वसहायता समूह की महिलाएं स्वादिष्ट आम का अचार बना रही हैं। महिला समूह द्वारा बनाए गए आचार की जिले में काफी मांग है।

महिला समूह द्वारा उत्पादित और बनाए गए आम की अचार की मांग का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2 महीने के कम समय में ही महिला समूह ने 5246 किलोग्राम अचार बना लिया। महिला समूह द्वारा आर्डर भी प्राप्त कर लिया गया है।

अचार के मांग को देखते हुए लगातार आपूर्ति की जा रही है। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने अच्छी गुणवत्ता के आम के अचार स्कूल के मध्यान्ह भोजन, छात्रावास, आंगनबाड़ी केन्द्रों में आपूर्ति करने कहा है। समूह की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव किये जा रहे हैं। महिला समूह द्वारा निर्मित अचार को बाजार उपलब्ध कराने और अच्छी आमदनी के लिए जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों स्कूल आश्रम में भी आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। यह आम के अचार सी-मार्ट में भी उपलब्ध हैं। इसके चलते महिला समूह को अचार विक्रय के लिए समुचित अवसर उपलब्ध हो सका है। आम का अचार बनाने के लिए समूह की महिलाओं द्वारा तैयार मसाले का उपयोग किया जा रहा है। आम के अचार की पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग भी की जा रही है। कलेक्टर ने महिला स्वसहायता समूह को इसके लिए शुभकामनाएं दी है।

खास-खबर

स्क्रैप सप्लाई के नाम पर दुर्गापुर में ठगी आरोपी को लेकर पं.बंगाल गई पुलिस

कोरबा (ए)। मुड़ापार में रहने वाले एक व्यक्ति ने स्क्रैप सप्लाई के नाम पर ठगी की। दुर्गापुर से शहर पहुंची पुलिस टीम आरोपी को पकड़कर अपने साथ ले गई। सिटी कोतवाली के मानिकपुर चौकी अंतर्गत मुड़ापार निवासी सतीश सिंह के खिलाफ पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में स्क्रैप सप्लाई के नाम पर रकम लेकर ठगी करने का मामला दर्ज है। सतीश सिंह की खोजबीन करते हुए दुर्गापुर से 4 सदस्य पुलिस टीम मंगलवार को कोरबा पहुंची। जहां मानिकपुर पुलिस के सहयोग से मुड़ापार क्षेत्र में संदीप कुमार को पकड़ लिया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे पुलिस टीम अपने साथ दुर्गापुर ले गई।

आईटीआई कर रहे स्टूडेंट ने लगा ली फांसी

बिलासपुर (ए)। आईटीआई के छात्र ने अपने घर में फांसी लगा ली। खुदकुशी करने से पहले अपनी मम्मी पापा को मोबाइल में मैसेज लिखा है। इसमें कहा है कि- पापा आप लोग मेरी कीमत नहीं समझते। मेरे जाने के बाद आप लोगों को समझ में आएगी। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ निवासी अंकित राय पिता उमेंद राय (21) राजीव विहार में अपने मामा सीताराम के घर में रहता था। साथ में उसका परिवार भी रहता था। सोमवार को परिवार के लोग पामगढ़ चले गए थे। अंकित अकेला था। दोपहर करीब 2 बजे उसका मामा सीताराम घर पहुंचे तो अंकित का शव कमरे में फंदे पर लटकते मिला। उसने अंकित के माता-पिता व पुलिस को सूचना दी फिर सभी घर पहुंचे। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया और तलाशी ली। जेब से मोबाइल मिला। इसमें मैसेज टाइप कर रखा था और स्क्रीन शॉट ले रखा था। इसमें लिखा था कि मम्मी-पापा आप लोग मेरी कीमत नहीं समझते। मेरे जाने के बाद समझ में आएगी। टीआई हरीश तांडेकर ने आशंका जताई कि छात्र की गतिविधियों से उसके परिवार वाले नाराज रहते थे। इसके चलते उसने शायद यह कदम उठाया। अरविंद 12वीं पढ़ने के बाद आईटीआई कर रहा था। सालभर से बिलासपुर में था।

पुलिस ने रेत से लदे 6 ओव्हर लोड वाहनों पर की कारवाई

सूरजपुर (ए)। मंगलवार को एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के नेतृत्व में थाना चंदौरा व प्रतापपुर पुलिस ने ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करते हुए रेत से लदे हुए 6 ओव्हर लोड वाहनों को पकड़ा है। रेत से लदे हुए ओव्हर लोड वाहनों के खिलाफ पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के निर्देश पर दोनों थानों की पुलिस ने प्रतापपुर में तथा बनारस मुख्य मार्ग में वाहन चेकिंग किया, जिसमें प्रतापपुर पुलिस ने 4 वाहन और चंदौरा पुलिस ने 2 वाहन कुल 6 वाहनों को ओव्हर लोड पाया। इन वाहनों को जब्त कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया है। ओव्हर लोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

बढ़ईटोला के दामरी चौक के पास हादसा

तीन सड़क हादसे में दो मासूम व एक युवक की मौत, चार गंभीर

राजनांदगांव (ए)। खैरागढ़ इलाके के प्रधानपाठ बैराज से जन्मदिन की पार्टी मनाकर लौट रहे दोस्तों की स्कार्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चार गंभीर रूप से घायल हैं। कुछ अन्य युवकों को भी मामूली चोटें आई हैं। हादसा डोंगरगढ़ रोड बढ़ईटोला के दामरी चौक के पास मंगलवार दोपहर 3 बजे हुआ ।

मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम भैंसातरा में रहने वाले युवक अपने ही ग्रुप के एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी मनाने प्रधानपाठ बैराज गए थे। बैराज में पार्टी सेलिब्रेट करने के बाद सभी वापस गांव लौट रहे थे। अभी उनकी कार दामरी चौक के पास पहुंची थी, डोंगरगढ़ की दिशा से आ रहे ट्रक ने उनकी स्कार्पियो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से स्कार्पियो उछलकर पीपल के पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे की सीट में बैठे 21 वर्षीय अजय यादव की मौके पर ही मौत हो गई। अजय के सिर में गंभीर चोटें आई थी, जिसके चलते उसका काफी खून बह गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

ठोकर के बाद 15 फीट उछली स्कार्पियोः प्रत्यक्षदर्शी

वहीं हादसे में नागेश यादव, दीपक पटेल और शरद वर्मा व एक अन्य युवक को हाथ- पैर व सिर में गंभीर चोटें आई हैं। जिन्हें खैरागढ़ सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए दाखिल किया गया है। स्थिति को देखते हुए गंभीर घायलों को राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाएगा। स्कार्पियो में कुल 9 लोग सवार थे, जिसमें चार अन्य को भी मामूली चोंटे आई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रक ने स्कार्पियो को पीछे से जोरदार ठोकर मारी। स्कार्पिओ भी अच्छी खासी स्पीड में थी, इससे ठोकर लगते ही वह करीब 15 फीट तक उछलकर चौक में मौजूद पीपल के पेड़ से टकरा गई।

हादसे के बाद ट्रक का चालक ने रफ्तार और बढ़ा दी और मौके से फरार हो गया।

मौसी के घर छट्ठी में आई बच्ची को ट्रक ने कुचला

राजनांदगांव (ए)। घुमका इलाके के ग्राम कलेवा में ट्रक की ठोकर से 7 साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची अपनी मां के साथ मौसी के घर छट्ठी के कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। कार्यक्रम के बाद सभी कलेवा के साप्ताहिक बाजार में खरीदी करने गए थे। घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे की है। पुलिस ने बताया कि नंदिनी अहिवारा में रहने वाली 7 साल की सोनम वर्मा अपने मां और बहनों के साथ मौसी के घर ग्राम कुंवारझोरकी आई थी। जहां से सोमवार शाम कलेवा के साप्ताहिक बाजार से होकर सभी वापस कुंवारझोरकी लौट रहे थे। तभी पीछे से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी 07 सीएम 5538 के चालक ने पैदल चल रही सोनम वर्मा को अपनी चपेट में ले लिया। सोनम ट्रक के पिछले पहिए में दब गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घुमका पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है।

नवागांव वार्ड में कचरा गाड़ी ने ढाई साल के बच्चे को रौंदा

राजनांदगांव (ए)। शहर के नवागांव वार्ड में नगर निगम की कचरा कलेक्शन गाड़ी ने ढाई साल के बच्चे को रौंद दिया। हादसे में बच्चे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद भी उसकी मां शव लेकर बचाव के लिए इधर-उधर दौड़ती रही। लेकिन गाड़ी का पहिया चढ़ने की वजह से बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे के आसपास का है। नवागांव में रहने वाले ढाई साल के यतीश वर्मा को नर्सरी में दाखिले की उम्मीद लेकर उसकी मां वार्ड के ही निजी स्कूल में जा रही थी। यतीश अपनी मां के पीछे चल रहा था। यतीश अचानक सड़क पर दौड़ पड़ा तभी पीछे से आ रही कचरा गाड़ी (ट्रैक्टर) के पिछले पहिए की वह चपेट में आ गया और मौके पर उसकी मौत हो गई।

आसपास के लोगों ने डॉयल 112 की टीम को सूचना दी और अस्पताल में दाखिल करवाया। सप्ताह भर पहले ही इसी चौक में तेज रफ्तार हाईवा ने यात्री बस को ठोकर मारी थी।

सड़क पर गिरे एक्टिवा सवार को मारपीट कर 3 लड़कों ने सोने का चेन लूटा

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक्टिवा सवार ट्रेवलर्स संचालक के साथ लूटपाट करने वाले तीन लड़कों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सोमवार की देर रात ट्रेवलर्स संचालक अपनी एक्टिवा से घर लौट रहा था। तभी रास्ते में उसकी एक्टिवा अनियंत्रित हो गई, जिससे वह गिरकर घायल हो गया। इस दौरान लड़कों ने उसके साथ मारपीट कर सोने की चेन लूट लिए और भाग गए।

सरकंडा के शास्त्री नगर निवासी देवेंद्र मिश्रा (24) ट्रेवल संचालक है। सोमवार की रात 12.30 वह लोयला स्कूल की ओर से अपने घर लौट रहा था। अभी वह बहतराई चौक के पास पहुंचा था, तभी उसकी एक्टिवा अनियंत्रित हो गई और वह गिर गया। इस हादसे में वह घायल हो गया। इस हादसे के बाद तीन लड़के उसके पास दौड़कर आए। घायल ट्रेवलर्स संचालक से उसका हाल जानने के बजाए लड़कों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी और उसके गले से सोने की चेन लूटकर भाग गए। ट्रेवलर्स संचालक ने उन्हें पकड़ने के लिए दौड़ाया। लेकिन, लड़के अंधरे में दूर जा चुके थे। घायल ट्रेवलर्स संचालक ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी।

घायल ट्रेवलर्स संचालक की शिकायत पर केस दर्ज करने के बजाए पुलिस ने उसे चलता कर दिया। साथ ही जांच कर केस दर्ज करने की बात कही। इस बीच पुलिस बदमाश लड़कों की तलाश करती रही। मंगलवार को पुलिस ने जांच के दौरान दो नाबालिग के साथ बहतराई चौक निवासी अभिषेक साहू (19) को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने मारपीट व लूटपाट करना स्वीकार किया। पुलिस ने उनके पास से सोने की चेन भी बरामद कर लिया।

वाहनों की चेकिंग कर कार्रवाई

लोगों को हेलमेट व बीमा के बारे में जानकारी दे किया गया जागरूक

कांकेर (ए)। जिले में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने यातायात जागरूकता के तहत यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक सोनू वर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को वाहनों की चेकिंग कर कार्रवाई की गई। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। दोपहिया वाहन चलाने वाले ग्रामीणों को हेलमेट व बीमा के फायदे बताते हुए वाहनों का बीमा कराने, लाइसेंस बनाने और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की समझाइश दी गई। इस दौरान यातायात नियमों का पालन न करने वाले 4 वाहन चालकों पर संशोधित मोटरयान अधिनियम के विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए 1500 रुपए समन शुल्क वसूला गया। जिले में बाहर से आने वाले सभी वाहनों को शहर में धीमी गति से चलाने की बात कही गई। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भीड़-भाड़ व दुर्घटना जन्य क्षेत्रों का चिह्नांकन कर वाहन की गति नियंत्रण के लिए सड़क पर स्टॉपर लगाए गए हैं।

शिक्षक के सूने घर से 20 हजार चोरी, केस दर्ज

मनेंद्रगढ़ (ए)। केंद्रीय विद्यालय झगराखंड के शिक्षक के सूने मकान में चोरी हो गई। शिक्षक की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना कर रही है। केंद्रीय विद्यालय झगराखंड में पदस्थ शिक्षक अनिरूद्ध सिंह ने झगराखंड पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 2 मई को ग्रीष्मावकाश की छुट्टी में वे अपने गृहग्राम प्रयागराज गए थे। 4 जून को उनके सहकर्मी आदित्यानंद ने सूचना दी कि उनके कमरे का ताला टूटा हुआ है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/दो/स.वि./2022/2158/146 भिलाई, दिनांक 17/06/2022

//नामांतरण सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले समस्त हितग्राहियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित हस्तान्तरिती के नाम से हस्तांतरण करने मे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तातरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	1. श्री एम0आर0 चावके आ0 स्व0 केशव राम चावके 2. श्रीमति उर्मिला चावके पति श्री एम0आर0 चावके दोनो निः- जवाहर नगर, एल0आई0जी0 27/9,10	श्रीमती फरजाना सुलताना पति मो0 नसीम उल्लाह निवासी एम0 आई0 जी0 - 01-13/11 जवाहर नगर	बिक्रीनामा	जवाहर नगर हुड़को आवासीय योजना ब्लाक 27 प्लाट 9 एवं 10, आकार 9 X 9 = 81 व0मी0
2	श्रीमती दुर्गावती पाण्डे पति स्व0एस0 सी0पाण्डे निवासी राजीव नगर खुर्सीपार जोन-02	1. श्री संजय पाण्डेय आ0 स्व0 एस0 सी0 पाण्डेय 2. श्री सजीव कुमार आ0 स्व0 एस0 सी0 पाण्डेय निः- राजीव नगर जोन 02 खुर्सीपार शिव मंदिर के पास भिलाई	वारिसान	खुर्सीपार व्यवस्थापन, आकार 44.29 व0मी0
3	स्व0 जोगेन्द्र शाह सोनी पिता स्व0रामप्रीत सोनी निवासी रामनगर सुपेला	श्रीमति बेदामी देवी पति स्व0 जोगेन्द्र शाह सोनी निः- रामनगर सुपेला	वारिसान	रामनगर सुपेला आ0 व्या0 = 1434.308 व0फु0
4	श्री मुश्ताक अहमद पिता श्री शौकत अली निवासी बी-471,माडल टाउन ब्लाक 24 स्मृति नगर	श्रीमती रूखसाना बानो पति श्री मो0 उस्मान निः- 43ए/3 नेहरू नगर पूर्व	उपहार पत्र	मो0ने0न0 प0 आ0 यो0 ब्लाक 43 ए भूखंड 03 आकार 294 व0मी0
5	1. भावेन्द संजय शिन्दे 2. युगल किशोर लाउत्रे 3. एल.जितेन्द्र पिता स्व0 एल0बी0 लाउत्रे निवासी विशाखापट्टनम स्टील प्लांट	1 राजेन्द्र कुमार वर्मा पिता स्व0 गोकुल प्रसाद वर्मा 2. सौरभ वर्मा पिता राजेन्द्र कुमार वर्मा नि0क्वा018 ए सड़क 31 सेक्टर 10	बिक्रीनामा	मो0ने0न0 पू0 आ0 यो0 ब्लाक 22 भूखंड 04 आकार 216 व0मी0
6	श्रीमती प्रेमलता दुबे पति स्व0 नारायण प्रसाद दुबे निवासी शिवनगर कुम्हारी	श्रीमती यामीन पति श्री संतोष कुमार सिन्हा निवासी शिवाजी नगर खुर्सीपार वार्ड 28	बिक्रीनामा	शिवाजी नगर आ0 यो0 ब्लाक क्र. 02 प्लाट क्र 09 आकार 36 व0मी0
7	श्री कमलेश कुमार गुप्ता पिता स्व0भोला नाथ गुप्ता नि0 मकान न0 152 केम्प-02 महात्मा गांधी नगर	श्रीमती गुड़िया सोनकर पति श्री बबलु सोनकर निवासी सतनाम धाम सुर्यनगर केम्प-02	बिक्रीनामा	पावर हाउस सब्जी मंडी चबुतरा क्र0 27 आकार 48 व0फु0
8	स्व0 अजय कुमार ठाकुर पिता अधिक लाल ठाकुर नि0केम्प-01 सुन्दर नगर	श्रीमती पूनम देवी पति स्व0 अजय कुमार ठाकुर नि0 केम्प-01 सुन्दर नगर	वारिसान	केम्प-01 सुन्दर नगर ब्लाक 48/16 आकार 7.20 व0मी0
9	अब्दुल गफ्फार पिता मो0अली नि0 चुडी लाईन सरकुलर मार्केट केम्प-02 भिलाई	श्रीमती फिरदौस खान पति श्री असलम शेरखान नि0 सरकुलर मार्केट केम्प-02 भिलाई	दान पत्र	सरकुलर मार्केट व्य0 यो0 ब्लाक ए भूखण्ड 06 आकार 15×30= 450 व0फु0
10	अब्दुल गफ्फार पिता मो0अली नि0 चुडी लाईन सरकुलर मार्केट केम्प-02 भिलाई	श्रीमती फिरदौस खान पति श्री असलम शेरखान नि0 सरकुलर मार्केट केम्प-02 भिलाई	दान पत्र	सरकुलर मार्केट व्य0 यो0 ब्लाक ए भूखण्ड 06 के अतिरिक्त आकार 1246.25 व0फु0
11	स्व.बिसाहू राम साहू पिता स्व. पतिदास साहू निवासी मो.ने.न. पूर्व हुड़को	श्री जगमोहन दास साहू पिता स्व.बिसाहू राम साहू निवासी एल.आई.जी.-02 ब्लाक 01 भूखण्ड-03	वारिसान	मो.ने.न.पूर्व आवासीय योजना ब्लाक 01 भूखण्ड-03 आकार 63 व0मी0
12	स्व.नंदकिशोर सिंह पिता स्व. चंचल सिंह निवासी राधिका नगर 57/1	श्रीमती सुनीता सिंह पति स्व. एन.के. सिंह निवासी राधिका नगर 57/1	वारिसान	राधिका नगर आवासीय योजना 57/1आकार 78.75 व0मी0
13	स्व.नंदकिशोर सिंह पिता स्व. चंचल सिंह निवासी राधिका नगर 57/2	श्रीमती सुनीता सिंह पति स्व. एन.के. सिंह निवासी राधिका नगर 57/2	वारिसान	राधिका नगर आवासीय योजना 57/2 आकार 78.75 व0मी0
14	श्रीमती अवतार कौर पति श्री सुरेन्दर सिंह वसीर निवासी एम.आई.जी.वैशाली नगर	श्रीमती सुमन उमरवैश्य पति श्री सुरेश कुमार उमरवैश्य निवासी महात्मा गांधी नगर फल मार्केट केम्प-02	बिक्रीनामा	जवाहर नगर आवसीय योजना ब्लॉक क्र 11 भूखण्ड क्र 06 आकार 215.25 व0फु0
15	स्व0 जी0बी0 पाटिल आ0 श्री बी0एम0 पाटिल निवासीः- म.नं. 42/1 मदर टेरेसा नगर केम्प 02	1. श्री राजेश पाटिल 2. श्री चन्द्रशेखर पाटिल 3. श्री लक्ष्मण पाटिल 4. श्री राकेश पाटिल पिता स्व0 जी0बी0 पाटिल सभी निवासीः- म.नं. 42/1 मदर टेरेसा नगर केम्प 02	वारिसान	मदर टेरेसा नगर आ0 यो0 ब्लॉक क्र 42 भूखण्ड क्र 01 आकार 216 व0मी0

उपायुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) बालोद छ.ग.

Fax - 07749-223915 Email-id actwd.balod@gmail.com

!! ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा सूचना !!

निम्नांकित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 27.06.2022 सांय 5.00 बजे तक है :-

क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि (लाख में)
1		3	5
1	102805	50 सीटर पोस्ट मैट्रिक आदि कन्या छात्रावारा मंगचुवा का भवन निर्माण कार्य	190.70

टीप :- ठेकेदार की श्रेणी "A", "B", "C" होना अनिवार्य है।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा का मान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

सहायक आयुक्त,
वास्ते कलेक्टर
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-92296/5

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries

SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095
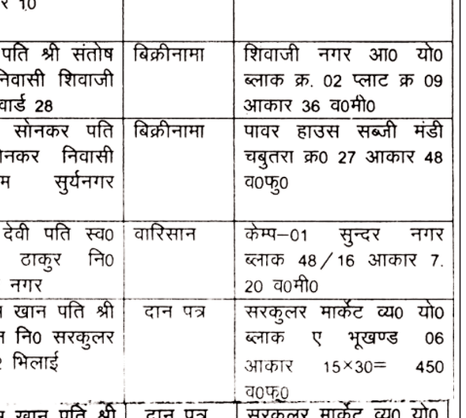

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
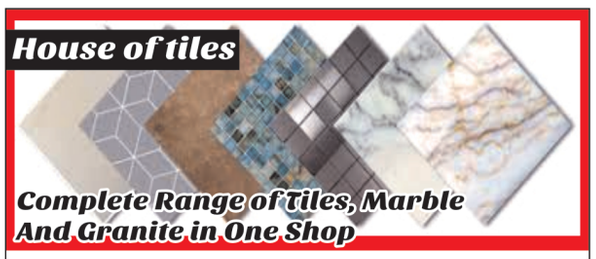
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

जीवन - परिचय

सुश्री डॉ. सरोज पाण्डेय

सांसद राज्यसभा (छत्तीसगढ़)

राज्य सभा सांसद - सुश्री डॉ. सरोज पाण्डेय के जन्म दिवस पर विशेष ...

निर्वाचित पद

छात्र संघ

महिला महाविद्यालय भिलाई में छात्राओं ने लगातार दो बार छात्रसंघ अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी और यही से सरोज पाण्डेय ने अपनी राजनैतिक कैरियर की शुरूआज किया। ये वर्ष 1989 से 1991 तक इस पद की जिम्मेदारी एक प्रखर छात्र संघ अध्यक्ष के रूप में निभाया।

नगर पालिका निगम में 10 साल तक महापौर

सुश्री सरोज पाण्डेय ने दुर्ग शहर से लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत नव निर्वाचित हो कर लगातार दो बार महापौर पद पर बेहतर दुर्ग निगम के छत्तीसगढ़ मॉडल निगम बनाया उस समय की दुर्ग निगम की योजनाओं को प्रदेश के सभी निगमों ने अपनाया सुश्री सरोज पाण्डेय देश की एकलौती महापौर रही जो सबसे ज्यादा मतों से चुनाव जीत कर महापौर बनी थी।

पुनः महापौर

सर्वश्रेष्ठ महापौर का पुरुस्कार
10 वर्षों का रिकार्ड

विधायक

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 66
वैशाली नगर
(दिनांक 08.012.2008 से 31.05.2009 तक)

लोकसभा

क्रमांक-07 दुर्ग छत्तीसगढ़
2009-2014

राज्यसभा सांसद

2017 से अब तक ...

वर्ल्ड रिकार्ड बनाया ..

सुश्री सरोज पाण्डेय ने एक ही अवधि (समय) में महापौर, विधायक व सांसद की निर्वाचित प्रतिनिधी के दायित्यों का निर्वहन हेतु लिमका बुक ऑफ रिकार्ड 2010 में अपना नाम रजिस्टर्ड हुआ।
सुवा नृत्य में 12 हजार प्रतिभागियों के एक साथ नृत्य का वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज करवाया

संगठन दायित्व

प्रवक्ता भा. ज. पा. छत्तीसगढ़
(2004 से 2008)

राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य युवा मोर्चा
महामंत्री भा. ज. पा. छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय मंत्री भा. ज. पा.
(प्रथम 2008 से 2009)

पुनः राष्ट्रीय मंत्री भा.ज. पा.
(2009 से 2012)

राष्ट्रीय अध्यक्ष भा. ज. पा. महिला मोर्चा
(2012 से 2014)
राष्ट्रीय महामंत्री भा.ज.पा.
(2014 से 2019)

प्रमोद अग्रवाल

जिला उपाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, भिलाई

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950